শর্মা হার্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 204 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 27 फरवरी, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत-इजरायल के बीच जल्द होगा मुक्त व्यापार समझौता : मोदी — पेज 2
असम विस चुनाव : जालुकबाड़ी सबसे चर्चित सीट, हिमंत की अजेय... — पेज 3
सनातन की रक्षा को जात-पात से ऊपर उठे समाज, 2028 उज्जैन महाकुंभ ... — पेज 5
पिता को खोया, चोट से लड़ी परिवार का सहारा बनीं... — पेज 7

नफरती भाषण : गौहाटी हाईकोर्ट ने सीएम को जारी किया नोटिस

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को नोटिस जारी किया। यह नोटिस कुछ जनहित याचिकाओं (पीआईएल) पर दिया गया है, जिनमें उन पर नफरती भाषण देने और सांप्रदायिक टिप्पणियां करने के आरोप हैं, खासकर *मिया* समुदाय के खिलाफ। तीन अलग-अलग याचिकाओं पर राज्य सरकार और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को भी नोटिस जारी किए गए। मुख्य न्यायाधीश (सीजे) अशुतोष कुमार और न्यायाधीश अरुण देव चौधरी की एक खंडपीठ ने इन तीन याचिकाओं की सुनवाई की। अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 21 मार्च तय की है। वकील शांतनु बोरठाकुर ने कहा कि उत्तरदाता अगली तारीख से पहले नोटिस का जवाब देंगे। अदालत ने कोई अन्य आदेश नहीं दिया है। एक याचिका असम के साहित्यकार हिरेन गोहाईं, पूर्व डीजीपी हरेकृष्ण डेका और वरिष्ठ पत्रकार परेश मलाकर ने 24 फरवरी को दायर की थी। इसके अलावा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने 21 फरवरी को अलग याचिकाएं दायर की थीं, जिसमें मुख्यमंत्री को इस तरह की टिप्पणियां करने से रोकने का अनुरोध किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने 16 फरवरी को उन याचिकाओं को खारिज कर दिया था, जिनमें मुख्यमंत्री शर्मा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। इन याचिकाओं में एक वायरल वीडियो दिखाया गया था, जिसमें वह कथित तौर पर किसी विशेष समुदाय के सदस्यों को राइफल से निशाना साधते हुए दिखाई दे रहे थे। मिया मूल रूप से असम में बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए अपमानजनक शब्द है। गैर-बंगाली भाषी लोग उन्हें आम तौर पर बांग्लादेशी आप्रवासियों के रूप में पहचानते हैं। हाल के वर्षों में, इस समुदाय के सक्रिय कार्यकर्ताओं ने विरोध के संकेत के तौर पर इस शब्द को अपनाना शुरू कर दिया है।

राज्य में जनसांख्यिकीय परिवर्तन एक चिंताजनक संकेत : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा कि राज्य की बदलती जनसांख्यिकी एक *चिंताजनक चेतावनी* है और उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उन विधानसभा क्षेत्रों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करेगी जहां असम के भविष्य की रक्षा करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जनसांख्यिकीय परिवर्तन का मुद्दा राज्य की सामाजिक सद्भाव, सांस्कृतिक पहचान और दीर्घकालिक विकास के लिए दूरगामी प्रभाव डालता है। उन्होंने आगे कहा कि असम की बदलती जनसांख्यिकी एक चिंताजनक संकेत है। इसे ध्यान में रखते हुए, भाजपा उन अधिकांश विधानसभा क्षेत्रों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करेगी जहां असम के भविष्य की रक्षा करना हमारी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा की राजनीतिक रणनीति स्वदेशी समुदायों के हितों की रक्षा करने की आवश्यकता से निर्देशित होगी, साथ ही समाज के सभी वर्गों के लिए समावेशी विकास सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने अवैध अप्रवासन, भूमि संरक्षण और सांस्कृतिक संरक्षण से संबंधित चिंताओं को दूर करने के -शेष पृष्ठ दो पर

वरिष्ठ पत्रकार बलदेव पांडेय का निधन, पत्रकारिता जगत में शोक

गुवाहाटी (हि.स.)। असम की हिंदी पत्रकारिता के लिए आज अत्यंत दुखद समाचार सामने आया है। वरिष्ठ पत्रकार एवं गुवाहाटी से प्रकाशित *पूर्वांचल प्रहरी* हिंदी समाचार पत्र से लंबे समय से जुड़े रहे बलदेव पांडेय का गुरुवार को निधन हो गया। उन्होंने नई दिल्ली स्थित सफदरगंज अस्पताल में दोपहर लगभग 2:30 बजे अंतिम सांस ली। जानकारी के अनुसार, करीब तीन महीने पूर्व उन्हें कैंसर का पता चला था। इसके बाद उनका उपचार मुंबई के टाटा मेमोरियल हास्पिटल में चल रहा था। प्रथम कीमोथेरेपी के दौरान उन्हें पीलिया हो गया, जिससे उनकी स्थिति लगातार गंभीर बनी रही और अंततः उपचार के दौरान उनका निधन हो -शेष पृष्ठ दो पर

असम में स्थापित होगा एयरबस मेंटेनेंस एंड रिपेयरिंग हब : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम में विमानन क्षेत्र को नई मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत गुवाहाटी में एयरबस मेंटेनेंस एंड रिपेयरिंग (एमआरओ) हब स्थापित किया जाएगा। यह हब गुवाहाटी हवाई अड्डे पर विकसित किया जाएगा, जिससे राज्य में विमानन अवसंरचना को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री गुरुवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

अभी तक भाजपा के किसी भी उम्मीदवार को अंतिम रूप नहीं दिया गया, फैसला बोर्ड करेगा : सैकिया

जोरहाट। असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने स्पष्ट रूप से बताया है कि अभी तक किसी भी निर्वाचन क्षेत्र के लिए पार्टी के उम्मीदवार को अंतिम रूप नहीं दिया गया है, और यह भी स्पष्ट किया है कि अंतिम निर्णय पार्टी के संसदीय बोर्ड द्वारा उचित प्रक्रिया के बाद ही लिया जाएगा। गुरुवार को जोरहाट दौरे के दौरान प्रेस से बात करते हुए सैकिया ने कहा कि अभी तक कहीं भी भाजपा के किसी उम्मीदवार को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। यह मेरा अंतिम निर्णय है। जब तक संसदीय बोर्ड एक-एक करके नामों की घोषणा नहीं कर देता, तब तक किसी भी उम्मीदवारी को पुष्ट नहीं माना जाना चाहिए। उनकी ये टिप्पणी मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा द्वारा 24 फरवरी को मारियानी में -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी में कई युवा कल्याण कौशल विकास योजनाओं का किया शुभारंभ

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को ज्योति विष्णु अंतर्राष्ट्रीय प्रेक्षागृह में आयोजित एक कार्यक्रम में राज्य के मेधावी युवाओं और शोधार्थियों के शैक्षिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण योजनाओं का औपचारिक शुभारंभ किया। *मुख्यमंत्री जीवन प्रेरणा* योजना के तहत सरकारी शिक्षण संस्थानों से उत्तीर्ण 48,319 नव-स्नातकों को करियर निर्माण में सहयोग देने के लिए 12 महीनों तक प्रतिमाह 2,500 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। *मुख्यमंत्री जीवन अनुप्रेरणा* योजना के अंतर्गत 13 दिव्यांगजनों तथा 2,112 शोधार्थियों को अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 25,000 रुपए से 40,000 रुपए तक की -शेष पृष्ठ दो पर

गठबंधन की सीट बंटवारे की रणनीति से कांग्रेस को गंवाना पड़ सकता है विपक्ष का पद : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को दावा किया कि विपक्षी दलों के बीच चल रहे सीट बंटवारे के तनाव से आगामी विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस के विपक्ष के नेता (एलओपी) का पद हासिल करने की संभावना खतरे में पड़ सकती है। असम विधानसभा के 126 सदस्यों में से किसी भी पार्टी को विपक्ष के नेता पद पर दावा करने के लिए कम से कम 24 सीटों की आवश्यकता होती है। हालांकि, शर्मा ने तर्क दिया कि विपक्ष के साथ हुई बातचीत से उभर रहे समीकरण के अनुसार, कांग्रेस को यह न्यूनतम संख्या प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है। देखिए, विपक्षी दलों और कांग्रेस के बीच संघर्ष मियां मुस्लिम बहुल 22 सीटों को लेकर है। उदाहरण के लिए, कांग्रेस ने रायजोर दल को चार सीटें और एजेपी को एक सीट दी है। परबतझोरा में हाग्रामा मोहिलारी वैसे भी जीतेंगे। इस तरह कांग्रेस की पहुंच से छह सीटें बाहर हो जाती हैं। इसलिए, कांग्रेस के पास अब 16 सीटें बची हैं। लेकिन विपक्ष का नेता बनने के लिए उन्हें 24 सीटों की जरूरत है, शर्मा ने कहा। उन्होंने आगे तर्क दिया कि इस अंतर को पाटने के लिए कांग्रेस को आदिवासी समुदायों के प्रभुत्व वाले निर्वाचन क्षेत्रों में कम से कम छह सीटें हासिल करने की आवश्यकता होगी, जिसे उन्होंने मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में एक कठिन -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

धन का लालची श्रीविहीन हो जाता है।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

मणिपुर : उग्रवादी संगठन से सांठगांठ के आरोप में चार गिरफ्तार

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में उग्रवादियों के विरूद्ध पुलिस एवं सुरक्षा बलों का धर-पकड़ अभियान राज्य के विभिन्न हिस्सों में जारी है। इस कड़ी में उग्रवादी संगठन केसीपी (एमएफएल) से सांठगांठ करने के आरोप में एक पुलिस कॉन्स्टेबल ड्राइवर, उग्रवादी संगठन प्रीपाक के कैडर और उसकी -शेष पृष्ठ दो पर

सुनेत्रा पवार बनीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एपी) की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और दिवंगत अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एपी) का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। यह निर्णय मुंबई के वर्ली में आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। इस बैठक में राकांपा एपी के कार्याध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के नाम का प्रस्ताव राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

नकली दवाओं के खिलाफ एनएचआरसी की उच्चस्तरीय बैठक

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत में नकली और घटिया दवाओं के बढ़ते खतरे पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने नई दिल्ली में एक उच्च स्तरीय *ओपन हाउस डिस्कशन* (ओएचडी) का आयोजन किया। बैठक में विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि यदि इन नियामक चुनौतियों का समय रहते समाधान नहीं किया गया, तो यह स्थिति एक बड़े *मानवीय संकट* का रूप ले सकती है। बैठक - शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में नवंबर से अब तक देखी गई बारिश की कमी, खतरे में फसल

गुवाहाटी। असम में पिछले नवंबर से अब तक 70 प्रतिशत से अधिक और 1 जनवरी से अब तक 99 प्रतिशत वर्षा की कमी देखी गई है, जो एक और असामान्य रूप से शुष्क सर्दियों का संकेत है – एक ऐसा पैटर्न जो जलवायु परिवर्तन के बढ़ते सबूतों के बीच तेजी से सामान्य होता जा रहा है। 1 जनवरी से लेकर अब तक 25 जिलों में बारिश नहीं हुई है, जबकि अन्य जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में 1 जनवरी से सामान्य 39 मिमी बारिश के मुकाबले केवल 0.4 मिमी बारिश हुई है। दरअसल, पिछले साल नवंबर के दूसरे सप्ताह से ही सूखे की स्थिति बनी हुई थी। -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा : जांच समिति को पेमेंट नहीं मिलने से एससी नाराज

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने मणिपुर हिंसा से संबंधित जांच और निगरानी मामलों के एक समूह की सुनवाई की, जिसमें उसने अगस्त 2023 में गठित न्यायालय द्वारा नियुक्त निगरानी समिति के सदस्यों को यात्रा और कार्य संबंधी खर्चों का भुगतान न किए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की। पीठ की अध्यक्षता कर रहे भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया कि गीता मित्तल की अध्यक्षता वाली समिति के सदस्यों को पिछले दो वर्षों से निरंतर कार्य करने के बावजूद किसी भी प्रकार का प्रतिपूर्ति भुगतान -शेष पृष्ठ दो पर

हिमंत बनाम गोगोई की राजनीतिक जंग का है पुराना इतिहास

समझिये वार पलटवार के सियासी मायने

गुवाहाटी। असम की राजनीति इस समय सीधे टकराव के मोड में खड़ी है। 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने जब यह कहा कि पाकिस्तान का भारत में कोई एसेट नहीं होना चाहिए और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई को सीधे पाकिस्तान से जुड़ा बताया, तो यह महज बयानबाजी नहीं थी। यह एक सोची समझी राजनीतिक चाल थी, जिसमें राष्ट्रवाद का तीखा तड़का लगाकर विपक्ष को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की गई। चुनावी मौसम में किया गया यह वार साफ संकेत देता है कि आने वाले महीनों में असम की सियासत बेहद आक्रामक और व्यक्तिगत होने वाली है। सवाल यह है कि क्या यह हमला केवल चुनावी रणनीति है या पुराने हिसाब चुकता करने की कोशिश। असम की सियासत समझने वाले जानते हैं कि यह टकराव आज का नहीं है। इसकी जड़ें उस दौर में हैं जब शर्मा कांग्रेस -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी और नेतन्याहू के बीच रक्षा, तकनीक और व्यापार पर महामंथन, आईएमईसी पर भी हुई चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय इजराइल यात्रा ने दोनों देशों के बीच सात साल पुरानी *रणनीतिक साझेदारी* को एक नए धरातल पर पहुंचा दिया है। गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी और उनके इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू के बीच आयोजित उच्च-स्तरीय बैठक में रक्षा, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और कृषि जैसे प्रमुख स्तंभों पर द्विपक्षीय सहयोग को विस्तार देने के लिए व्यापक सहमति बनी। दोनों पक्षों द्वारा पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर भी विचार-विमर्श किए जाने की उम्मीद है। भारत और इजराइल के बीच भारत-पश्चिम एशिया यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के कार्यान्वयन और आई2यू2 (भारत-इजराइल-यूएई-अमेरिका) के ढांचे के तहत सहयोग पर भी चर्चा होने की संभावना है। नेतन्याहू के साथ वार्ता से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइली राष्ट्रपति इसहाक -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

काजीरंगा में 4 करोड़ मूल्य के याबा टैबलेट जब्त

काजीरंगा (हिंस)। असम के काजीरंगा के बागरी क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग चार करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि यह बरामदगी एक ट्रक से की गई, जिसे नियमित जांच के दौरान रोका गया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार ट्रक से 80 हजार याबा टैबलेट बरामद की गईं। बताया गया है कि इन टैबलेटों को मणिपुर से ग्वालपाड़ा ले जाया जा रहा था। मामले में ट्रक चालक के साथ रफीकुल इस्लाम नामक एक अन्य व्यक्ति को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

भारत-इजरायल के बीच जल्द होगा मुक्त व्यापार समझौता : मोदी

यरूशलम (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत-इजरायल संबंध गहरे विश्वास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं की मजबूत आधारशिला पर स्थापित हैं तथा दोनों देश शीघ्र ही एक पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने यरूशलम में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत और इजरायल के संबंध गहरे विश्वास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं की मजबूत आधारशिला पर स्थापित हैं तथा समय की हर कसौटी पर खरे उतरे हैं। यह ऐतिहासिक निर्णय दोनों देशों के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। मोदी ने बताया कि दोनों देशों ने *क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज पार्टनरशिप* स्थापित करने का निर्णय लिया है, जिससे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग और क्रिटिकल मिनरल्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिलेगी। उन्होंने इजरायल में यूपीआई के उपयोग के लिए हुए समझौते पर भी प्रसन्नता व्यक्त की तथा डिजिटल हेल्थ सहित अन्य उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। रक्षा सहयोग का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच दशकों पुराना विश्वसनीय रक्षा संबंध रहा है और हाल में हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) से इसमें नए आयाम जुड़ेंगे। दोनों देश संयुक्त विकास, संयुक्त उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने नागरिक परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की भी बात कही। कृषि क्षेत्र में सहयोग को *भविष्य उन्मुख* बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इजरायल के सहयोग से भारत में स्थापित *सेंटर ऑफ एक्सीलेंस* मित्रता के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। इनकी संख्या 100 तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही विलेजेज ऑफ एक्सीलेंस और इंडिया-इजरायल इनोवेशन सेंटर फॉर एग्रीकल्चर की स्थापना से किसानों की आय और उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। लोगों के बीच संपर्क को संबंधों का महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में हुए मैनपावर मोबिलिटी समझौते के तहत भारतीय कामगारों ने इजरायल के निर्माण और केयरगिवर क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अब इस सहयोग का विस्तार वाणिज्य और सेवा क्षेत्रों में भी किया जा रहा है। युवाओं, शोधकर्ताओं और नवोन्मेषकों को जोड़ने के लिए *इंडिया-इजरायल अकादमिक फोरम* की स्थापना की जा रही है।

वैश्विक नेता बनने के लिए राष्ट्र को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति पानी होगी : उपराष्ट्रपति

श्रीनगर (हि.स.)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को कश्मीर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नवाचारों के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने के लिए देश को अपनी औपनिवेशिक मानसिकता त्यागनी होगी। उपराष्ट्रपति ने युवाओं को सोशल मीडिया के उपयोग के प्रति सचेत रहने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस पर नियंत्रण रखना होगा। सोशल मीडिया आपको जीवन में अधिक सफल होने में मदद नहीं करेगा। हर चीज की अपनी सीमा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक स्नातक छात्र के रूप में मैं आप सभी से स्वदेशी नवाचार और भारतीय ज्ञान, संसाधनों और आवश्यकताओं पर आधारित समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करता हूं। हमें चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है, हमें हीन होने की आवश्यकता नहीं है। हमें सबसे पहले अपनी औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में उद्यमशीलता के माहौल को पहले से कहीं अधिक जीवंत और सहायक बनाया है। कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के सभी वैज्ञानिकों से इस महामारी के लिए टीका विकसित करने का आह्वान किया है। हममें से कितने लोगों ने इस पर विश्वास किया था? लेकिन हमने सबसे बेहतरीन टीका खोज लिया है और यह पूरी मानवता के लिए बहुत कारगर साबित हुआ है। उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि इसी टीके पर सबसे विकसित पश्चिमी देशों ने भी शोध और विकास किया है, लेकिन वे सभी इसे पेटेंट कराने में पीछे रह गए, ताकि वे इसे ऊंची कीमत पर बेच सकें। उन्होंने कहा कि एक टीका 7,500 अमेरिकी डॉलर में बिक सकता है, लेकिन एक गरीब आदमी इसे कैसे खरीद सकता है? उन्होंने कहा कि भारतीय नवाचारों को पश्चिमी दुनिया में भी व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है।

No.KDB-448/2023-24/1716 Date 26/02/2025

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non–refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five) only with a validity period 180 days, which will subsequently to be covered and drawn up in the printed of F-2 form are invited from the registered contractor Class–I (A, B, C) & Class–II categories Assam P&RD and BTC, according to their eligibility for submitting tenders for the works under **15th FC Untied Grant** fund for the year 2025-26 of as stated below. The tender will be received by the undersigned 2.00 PM of **23/03/2026** and will be opened on same day at 3.00 PM.

Sl. No.	Name of Work	Location	A.A. Amount (Rs. In lakh)	Cost of bid document	Amount of bid security	Time of completion
1	Const. of earth filling and Sand Gravelling road from Amoy's house to Pathor Bari village.	Ballimari	Rs. 13,50,000.00	0.03%	SC/ST= 1% OTH = 2%	3 months
2	Const. of earth filling and Sand Gravelling road from Ballimari to PWD Dwikarguri road	Ballimari	Rs. 15,00,000.00	0.03%	SC/ST= 1% OTH = 2%	3 months
3	Const. of Sand Gravelling road from Mahanta Basumatry's road to Mwjwm Basumatary's road approach at No. 1 Goladangi village	Jaraguri-Goladangi	Rs. 10,00,000.00	0.03%	SC/ST= 1% OTH = 2%	3 months
4	Const. of Sand Gravelling road from Shimaltapu Jaraguri PWD road to Pakriguri West Bengal Border	Jaraguri-Goladangi	Rs. 10,00,000.00	0.03%	SC/ST= 1% OTH = 2%	3 months
5	Const. of Sand Gravelling road from Jaraguri Dawaguri PWD road to Goladangi village via Binesh's house	Jaraguri-Goladangi	Rs. 10,00,000.00	0.03%	SC/ST= 1% OTH = 2%	3 months
6	Const. of earth filling Sand Gravelling of road from Choudhury Ghat to Picnic Spot	Jaraguri-Goladangi	Rs. 5,00,000.00	0.03%	SC/ST= 1% OTH = 2%	3 months
7	Const. of earth filling Sand Gravelling road from No. 2 Goladangi Adai Narzary house to Kala Basumatary road approach	Jaraguri-Goladangi	Rs. 12,00,000.00	0.03%	SC/ST= 1% OTH = 2%	3 months

Details N.I.T may been seen in all working days during office hours in the office of the undersigned tender will be issued to the contractors of their authorized agent from **27/02/2026** to **23/03/2026** in the office of the undersigned on payment in the form of demand draft/banker's cheque from any Nationalized bank duly pledged in favour of the BDO, Kachugaon Dev. Block, Gurufela.

Sd/-
Block Development Officer,
Kachugaon Dev. Block, Gurufela

IPR(BTC)/C/2025-26/4253

पूसीरे के महाप्रबंधक ने मरियानी-शिमलगुड़ी न्यू तिनसुकिया सेक्शन का किया निरीक्षण

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने 25 फरवरी को तिनसुकिया मंडल का व्यापक वार्षिक संरक्षा निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में 152 किलोमीटर लंबी मरियानी-शिमलगुड़ी-न्यू तिनसुकिया सेक्शन का निरीक्षण किया। पूसीरे के नेटवर्क में परिचालन संरक्षा को सुदृढ़ करने, इंफ्रास्ट्रक्चर की विश्वसनीयता और यात्री सुविधाओं को अपग्रेड करने की दिशा में निरंतर प्रतिबद्धता के तहत किया गया था। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने गुरुवार को बताया कि महाप्रबंधक ने मरियानी से निरीक्षण शुरू किया, जहां उन्होंने क्रू लॉबी और रनिंग रूम का जायजा किया, ताकि क्रू बुकिंग प्रोसेस, विश्राम करने के स्थान और संरक्षा प्रोटोकॉल के अनुपालन की समीक्षा की जा सके। उन्होंने ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टम के तहत कामों की भी समीक्षा की और रियल-टाइम मॉनिटरिंग एवं परिचालन नियंत्रण को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नव स्थापित लार्ज फॉर्मेट डिस्प्ले सिस्टम का भी निरीक्षण किया। स्टेशन पर लगाए गए नए सोलर पावर प्लांट का उद्घाटन किया गया। इस संयंत्र से एनएफआर की मजबूत और हरित ऊर्जा पहलों के लिए प्रतिबद्धता और सुदृढ़ हुई है। नकचारी में, महाप्रबंधक ने रिले रूम समेत सिग्नलिंग सिस्टम का विस्तृत निरीक्षण किया और इलेक्ट्रॉनिक इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम और अन्य सहयोगी संरक्षा प्रणालियों के कार्य करने के तरीकों की समीक्षा की।

मोबाइल चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की गोरचूक पुलिस ने मोबाइल चोरी के मामले में शामिल एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र इलाके के काटाबारी में चलाए गए अभियान के दौरान मोबाइल चोरी मामले में शामिल एक चोर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार चोर की पहचान अंकुर राभा (23) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी के पास से चोरी के तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार चोर से सघन पूछताछ कर रही है।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य में जनसांख्यिकीय ...

लिए लगातार कदम उठाए हैं। असम में भाजपा की आगामी जन आशीर्वाद यात्रा का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इस जनसंपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य केवल राज्य सरकार की उपलब्धियों को उजागर करना ही नहीं है, बल्कि राज्य भर के लोगों से सीधे जुड़ना भी है। उन्होंने आगे कहा कि असम भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा केवल हमारी सरकार की उपलब्धियों को साझा करने के बारे में नहीं है, बल्कि लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करने के बारे में भी है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा पार्टी नेताओं को जमीनी स्तर पर नागरिकों की आकांक्षाओं और चिंताओं को सुनने का अवसर प्रदान करती है, जिससे सार्वजनिक अपेक्षाओं के अनुरूप नीतियों और कार्यक्रमों को आकार देने में मदद मिलती है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रोजगार सृजन और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में भाजपा सरकार की पहलों ने असम के विकास के लिए एक मजबूत नींव रखी है। साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य की पहचान और जनसांख्यिकीय संतुलन की रक्षा करना पार्टी के दृष्टिकोण का केंद्र बिंदु बना हुआ है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि असम की जनता भाजपा का समर्थन करना जारी रखेगी, और राज्य की स्थिरता, विकास और हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए भाजपा के प्रयासों को स्वीकार किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जनता का विश्वास और आशीर्वाद हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उनके सहयोग से हम एक सुरक्षित, विकसित और सांस्कृतिक रूप से जीवंत असम के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। राज्य में महत्वपूर्ण राजनीतिक आयोजनों से पहले, जन आशीर्वाद यात्रा के आगामी दिनों में कई जिलों को कवर करने की उम्मीद है।

असम में स्थापित होगा ...

बताया कि एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) द्वारा इस एमआरओ यूनिट की स्थापना की जाएगी। इस परियोजना के शुरू होने से असम पूर्वोत्तर क्षेत्र में विमान रखरखाव सेवाओं का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा। इसके अतिरिक्त सम इंजीनियरिंग कॉलेज (एईसी) में डिसाउल्ट एवियशन के राफेल इंजीनियरिंग से संबंधित एक हब स्थापित करने की भी योजना है। इससे राज्य में उच्च स्तरीय एयरोस्पेस तकनीक और तकनीकी सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से असम के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। विमानन और रक्षा क्षेत्र में कुशल एवं प्रशिक्षित युवाओं को राज्य में ही उन्नत अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। इसे असम को देश के उभरते विमान रखरखाव और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अभी तक भाजपा के ...

एक कार्यक्रम के दौरान की गई टिप्पणियों के बाद हालिया राजनीतिक अटकलों की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया था कि मौजूदा विधायक रूपज्योति कुर्मी को मारियानी निर्वाचन क्षेत्र से फिर से मैदान में उतारा जा सकता है। इन अटकलों का जवाब देते हुए, साइकिया ने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी की चयन प्रक्रिया व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के बजाय एक संरचित मूल्यांकन प्रणाली द्वारा निर्देशित होती है। उन्होंने कहा कि भाजपा में पुराने और नए चेहरों का कोई भेद नहीं है। जो भी पार्टी के मानदंडों पर खरा उतरेगा, जनता का विश्वास हासिल करेगा और जिसके जीतने की सबसे अधिक संभावना होगी, उसे उम्मीदवार बनाया जाएगा। जनता की अपेक्षाएं और संगठनात्मक शक्ति ही निर्णायक कारक हैं। आगामी चुनावों में युवा नेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी या नहीं, इस सवाल पर राज्य भाजपा प्रमुख ने दोहराया कि योग्यता और प्रदर्शन ही एकमात्र मानदंड बने हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह युवा पीढ़ी का कोई व्यक्ति हो सकता है या फिर लंबे राजनीतिक अनुभव वाला कोई व्यक्ति। पार्टी योग्यता, प्रतिबद्धता और जमीनी स्तर पर स्वीकार्यता को महत्व देती है। संगठन के भीतर प्रगति कर रहे और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन कर रहे लोगों पर विचार किया जाएगा। विपक्षी गठबंधनों पर निशाना साधते हुए सैकिया ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व में किए गए गठबंधन के प्रयास जनता के बीच गति हासिल करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि छह महीने या एक साल पहले कांग्रेस ने गठबंधन सरकार बनाई थी, लेकिन उसे जनता का समर्थन नहीं मिला। हमारा मानना है कि लोकतंत्र में एक मजबूत विपक्ष जरूरी है, लेकिन उसे व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा या मुख्यमंत्री बनने के एकमात्र उद्देश्य से प्रेरित नहीं होना चाहिए। सैकिया ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन के दृष्टिकोण में स्पष्टता का अभाव है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, रायजोर दल और असम जातीय परिषद के बीच स्वाभाविक एकजुटता अभी देखने को नहीं मिली है। ऐसा लगता है कि उनका एकमात्र ध्यान असम की प्रगति के लिए कोई रोडमैप प्रस्तुत करने के बजाय वर्तमान सरकार को हटाने पर केंद्रित है। भाजपा और उसके सहयोगी असम गण परिषद (अगप) के बीच सौहार्दपूर्ण चुनावों की संभावना पर, सैकिया ने कहा कि अभी भी चर्चा जारी है और कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। इससे पहले दिन में, साइकिया ने जोरहाट के चिनामोर चाय बागान में स्थित स्वतंत्रता सेनानी और असम के पहले चाय बागान मालिक और स्वतंत्रता सेनानी मणिराम दीवान के स्मारक पर उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने असम के स्वतंत्रता संग्राम और चाय उद्योग में दीवान के योगदान पर प्रकाश डाला। उपस्थित लोगों में काजीरंगा के सांसद कामाख्या प्रसाद तासा, वरिष्ठ भाजपा नेता और पार्टी कार्यकर्ता शामिल थे।

वरिष्ठ पत्रकार बलदेव पांडेय...

गया। बलदेव पांडेय पिछले लगभग 15 वर्षों से पूर्वांचल प्रहरी से जुड़े थे। वे अपनी निष्पक्ष, निर्भीक और समर्पित पत्रकारिता के लिए जाने जाते थे। समाज के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने और जनसरोकारों की आवाज बनने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। वे अपने पीछे पत्नी, एक पुत्री और दो पुत्रों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर गुवाहाटी प्रेस क्लब, असम वार्ताजीवी संघ, दिसपुर प्रेस क्लब, असम पत्रकार संघ, गुवाहाटी इकाई सहित कई संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। जीएल पब्लिकेशंस परिवार की ओर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की गई। ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने और परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की गई।

मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी ...

एकमुश्त सहायता दी जाएगी। उच्च शिक्षा में ड्रॉपआउट दर को रोकने के उद्देश्य से शुरू की गई *मुख्यमंत्री नियुत बाबू* योजना के तहत स्नातक और स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के लगभग 47,395 विद्यार्थियों को प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि वे अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। इसके अतिरिक्त *उद्योग 4.0* पहल के अंतर्गत टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 17 आईटीआई और 14 पॉलिटेक्निक संस्थानों में 31 आधुनिक प्रौद्योगिकी केंद्रों का वर्चुअल उद्घाटन किया गया, जिससे तकनीकी शिक्षा और उद्योगोन्मुख कौशल को सुदृढ़ किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य असम को कुशल कार्यबल का केंद्र बनाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये सभी पहल राज्य के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और *विकसित असम* के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

गठबंधन की सीट ...

कार्य बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसलिए, भले ही रायजोर दल और एजेपी स्पीकर से अनुरोध करें, कांग्रेस विपक्ष के नेता के पद पर दावा नहीं कर पाएगी क्योंकि उन्हें अपने चुनाव चिन्ह के तहत 24 सीटों की आवश्यकता होगी। ये टिप्पणियां कांग्रेस और असम जातीय परिषद (एजेपी) के बीच सीट बंटवारे की वार्ता में कथित प्रगति के बीच आई हैं, जबकि रायजोर दल के साथ बातचीत अभी भी गतिरोध में है । बुधवार को असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के प्रमुख गौरव गोगोई ने संकेत दिया कि रायजोर दल में पूर्व कांग्रेस सदस्यों को शामिल करने से बातचीत जटिल हो गई है। चुनाव के लिए भाजपा की तैयारियों पर बात करते हुए, शर्मा ने कहा कि पार्टी ने संभावित उम्मीदवारों की पहचान करने के लिए ब्लॉक और निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर आंतरिक चुनाव पूरे कर लिए हैं । उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया अब आगे की चर्चा के लिए राज्य चुनाव समिति के पास जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्रक्रिया अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। हालांकि, कई सीटों पर एकल उम्मीदवारों के नाम सामने आए हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि सत्तारूढ़ पार्टी अपनी चयन रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है, जबकि विपक्ष गठबंधन के समीकरणों से जूझ रहा है। सीट बंटवारे को लेकर बातचीत अभी भी अनिश्चित है और चुनावी समीकरण तेज होते जा रहे हैं, ऐसे में चुनावों से पहले बहुमत की लड़ाई और विपक्ष के नेता के पद के लिए मुकाबला और भी तीक्ष्ण होने की संभावना है।

नकली दवाओं के...

की अध्यक्षता करते हुए एनएचआरसी सदस्य न्यायमूर्ति (डॉ.) बिद्युत रंजन सारंगी ने कहा कि नकली और मिलावटी दवाएं सीधे तौर पर *जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार* का उल्लंघन हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विशाल देश में खंडित नियामक प्रणाली खतरनाक हो सकती है। हमें इस मुद्दे के समाधान के लिए समन्वित और बहुक्षेत्रीय कार्रवाई की आवश्यकता है। आयोग के महासचिव भरत लाल ने बताया कि नकली दवाएं आपराधिक गतिविधियों के तहत बनाई जाती हैं जिनका निर्माता अज्ञात होता है। इन्हें पकड़ने के लिए पुलिस जांच की जरूरत होती है। अधिकृत निर्माताओं द्वारा बनाई गई घटिया दवाएं गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतरतीं। उन्होंने खुलासा किया कि सरकारी नमूनों में से लगभग 10 प्रतिशत दवाएं घटिया पाई गई हैं, जो एक चिंताजनक आंकड़ा है। उन्होंने अक्तूबर 2025 में दूषित कफ सिरप से हुई बच्चों की मौत का उदाहरण देते हुए बताया कि आयोग ऐसी घटनाओं पर स्वत: संज्ञान लेकर राज्यों को नोटिस जारी कर रहा है। आयोग की सदस्य विजया भारती सयानी ने इस मुद्दे के मानवीय पक्ष को साझा करते हुए बताया कि कैसे उनके परिवार के एक सदस्य को घटिया दवाओं के कारण अपनी दृष्टि गंवानी पड़ी। उन्होंने दवा उद्योग में अटूट जवाबदेही तंत्र स्थापित करने की मांग की। इस मौके पर खाद्य एवं औषधि नियंत्रक प्रशासन (एफडीसीए) के उपायुक्त डॉ. एनआर सैयद, एम्स कल्याणी के अध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) योगेंद्र कुमार गुप्ता, एएसपीए के अध्यक्ष अंकित गुप्ता, एफओपीई के नियामक सलाहकार नरेंद्र आहूजा, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआर एंड डी) के उप निदेशक डॉ. इलियास केपीए सहित राज्य सरकारों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी नियामक कानून प्रवर्तन अधिकारी संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ और दवा क्षेत्र के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

राज्य में नवंबर से ...

गुवाहाटी में नवंबर 2025 के पहले सप्ताह में कुछ दिनों तक बारिश हुई (लगभग 27.5 मिमी), लेकिन 6 नवंबर के बाद बारिश रुक गई। राजधानी में 5 जनवरी को लगभग 0.2 मिमी बारिश हुई और उस दिन को छोड़कर नवंबर से अब तक मौसम पूरी तरह शुष्क रहा है। लंबे समय तक चलने वाले सूखे का असर फसलों पर पड़ने की संभावना है। नवंबर के पहले सप्ताह से अपर्याप्त वर्षा के कारण रेपसीड, आलू और मक्का जैसी रबी फसलों में नमी की गंभीर कमी देखी गई है। पर्याप्त ठंडे दिनों की कमी और वर्षा न होने के कारण इन फसलों की पैदावार घट गई है। इसके अलावा, अधिकांश खेतों में उगने वाली फसलों की अवधि भी कम हो गई है, असम कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. राजीव लोचन डेका ने बताया। उन्होंने यह भी कहा कि चाय की फसल के लिए फरवरी में होने वाली बारिश महत्वपूर्ण है, और बारिश की कमी और कम सापेक्ष आर्द्रता के कारण होने वाली समग्र वायुमंडलीय शुष्कता, नई कलियों के निकलने में देरी कर सकती है। उन्होंने आगे कहा कि फलों की फसलों, विशेषकर आम और लीची में जल्दी फूल आने की प्रक्रिया देखी गई है। फरवरी का महीना राज्य में असामान्य रूप से गर्म रहा है, खासकर ऊपरी असम में, जहां कुछ दिनों में अधिकतम तापमान सामान्य से लगभग 7 डिग्री अधिक रहा। राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश के बाद पिछले 3-4 दिनों में तापमान में थोड़ी गिरावट आई है। मार्च के पहले सप्ताह में वर्षा की गतिविधि बढ़ने की संभावना है।

मणिपुर हिंसा : जांच ...

नहीं किया गया है। याद रहे कि अंतरिम उपाय के रूप में न्यायालय ने समिति के तीनों सदस्यों में से प्रत्येक को 10 लाख रुपए जारी करने का निर्देश दिया, यह मानते हुए कि उन्होंने पर्याप्त खर्च किए हैं और आगे भी करते रहेंगे। पीठ ने स्पष्ट किया कि मानदेय बाद में अलग से तय किया जाएगा, और यह निर्देश केवल तात्कालिक खर्चों को पूरा करने के लिए है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कुछ जरूरी नए निर्देश जारी करते हुए सीबीआई और मणिपुर एसआईटी से कहा कि वे 2023 के मणिपुर जातीय हिंसा मामलों में उनके द्वारा दायर चार्जशीट की कॉपी पीड़ितों और उनके परिवारों को दें। ये निर्देश महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस चीफ दत्तात्रेय पडसलगीकर की 12वीं स्टेटस रिपोर्ट देखने के बाद जारी किए गए, जिन्हें मणिपुर में क्रिमिनल मामलों की जांच की निगरानी का काम सौंपा गया था। पडसलगीकर ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि सीबीआई ने 20 हिंसा मामलों में स्पेशल कोर्ट में चार्जशीट दायर की है और छह अन्य एफआईआर में जांच चल रही है और अगले छह महीनों में पूरी हो जाएगी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने सीबीआई से यह पक्का करने को कहा कि बाकी हिंसा मामलों में जांच तय समय में पूरी हो जाए और चार्जशीट दायर हो जाएं। सीनियर वकील वृंदा ग्रोवर की इस जोरदार दलील पर ध्यान देते हुए कि पीड़ितों और उनके परिवारों को केस के भविष्य के बारे में कुछ नहीं पता है, सीजेआई ने सीबीआई और राज्य पुलिस की एसआईटी से कहा कि वे प्रभावित लोगों के साथ चार्जशीट की कॉपी शेयर करें।

हिमंत बनाम गोगोई ...

में थे और स्वर्गीय तरुण गोगोई के नेतृत्व वाली सरकार में ताकतवर मंत्री माने जाते थे। बाद में नेतृत्व को लेकर उठा विवाद, कथित उपेक्षा और हाई कमान की राजनीति ने उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया। 2015 में उनका भाजपा में जाना और उसके बाद 2016 में सत्ता परिवर्तन ने असम की राजनीति का नक्शा बदल दिया। तब से यह संघर्ष वैचारिक कम, व्यक्तिगत अधिक हो गया। अब शर्मा ने 2013 की उस पाकिस्तान यात्रा को मुद्दा बनाकर आग में घी डाला है, जिसमें गौरव गोगोई अपनी पत्नी के साथ वहां गए थे। लाहौर, इस्लामाबाद और कराची की यात्रा को लेकर जो सवाल उठाए गए, वह सीधे राष्ट्रद्रोह जैसे गंभीर आरोपों तक पहुंच गए। मुख्यमंत्री का कहना है कि लोकसभा में रक्षा, परमाणु संयंत्र और कश्मीर से जुड़े प्रश्न उस यात्रा से जुड़े हो सकते हैं। उन्होंने विशेष जांच दल की रिपोर्ट केंद्र को सौंप दी और केंद्रीय एजेंसियों से जांच की मांग की। यहां दो बातें साफ दिखती हैं। पहली यह कि राष्ट्र सुरक्षा का सवाल जितना गंभीर होता है, उसका राजनीतिक इस्तेमाल उतना ही खतरनाक। दूसरी यह कि यदि आरोप इतने ठोस हैं तो जांच और ज्यादा पारदर्शी होनी चाहिए थी। वहीं गौरव गोगोई ने आरोपों को निराधार और हास्यास्पद बताया है। उन्होंने पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री के परिवार की कथित जमीन संपत्ति पर सवाल उठाए और कहा कि सत्ता में आने पर वह जमीन गरीबों में बांट दी जाएगी। इस तरह मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से हटकर संपत्ति और परिवार तक पहुंच गया। राजनीतिक विमर्श का स्तर तब और गिरा जब पुरानी घटनाएं फिर उछाली गईं।

मोदी और नेतन्याहू के ...

हर्जोग से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी द्विपक्षीय संबंधों को नई गति प्रदान करने के उद्देश्य से दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को इजराइल पहुंचे। नौ वर्षों में यह मोदी की इजराइल की दूसरी यात्रा है। जुलाई 2017 में मोदी की इजराइल की पहली यात्रा के दौरान भारत-इजराइल संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया गया था। भारत और इजराइल विज्ञान और प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा और सुरक्षा, व्यापार और निवेश, कृषि, जल और जन-जन संबंधों के क्षेत्र में मजबूत सहयोग के साथ एक सुदृढ़ रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत-इजराइल संबंधों में तेजी आई है, जिसमें रक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, साइबर सुरक्षा और नवाचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं। रक्षा सहयोग दोनों पक्षों के बीच साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है, जिसमें इजराइल भारत को कई सैन्य मंच और हथियार प्रणालियां मुहैया करा रहा है। दोनों पक्षों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों में भी लगातार प्रगति देखने को मिल रही है। नवंबर में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की इजराइल यात्रा के दौरान, भारत और इजराइल के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता शुरू करने के लिए विचारणीय विषयों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए गए थे।

मणिपुर : उग्रवादी संगठन ...

साथी तथा एक आरपीएफ/पीएलए कैडर को गिरफ्तार किया गया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार मणिपुर पुलिस के एक कॉन्स्टेबल ड्राइवर कॉन्गखम सनाजोबा सिंह उर्फ इबोमचा (43) को गिरफ्तार किया गया है। इबोमचा को बिष्णुपुर जिले के नरेंद्र थानांतर्गत उट्लौ चानुरा से उसे गिरफ्तार गया है। मणिपुर पुलिस विभाग में सेवा देने के बावजूद गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का केसीपी (एमएफएल) के लिए सक्रिय सदस्य के रूप में कैडरों की भर्ती में शामिल होना पाया गया। दूसरी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने एक जबरन वसूली करने वाले उग्रवादी संगठन प्रीपाक के सक्रिय सदस्य नाहकपाम शिबानंद सिंह उर्फ अमुथोई (32) को गिरफ्तार किया है। आरोपित इंफाल वेस्ट जिला के सिंगडमेई थानांतर्गत इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके एक साथी, जिसने वसूली के पैसे के लेन-देन में उसकी मदद करने वाली इंफाल वेस्ट जिला क्वाकेइथेल न्गानापिथोंग मपाल निवासी देवीया मोंगजाम (29) को भी उनके निवास स्थान से गिरफ्तार किया गया। उनसे दो मोबाइल फोन, एक आईपैड और एक आधार कार्ड जब्त किए गए। तीसरे अभियान में सुरक्षा बलों ने आरपीएफ/पीएलए के एक सक्रिय कैडर चिंगखाम रॉकी सिंह उर्फ सनथोई उर्फ इपुंबा (38) को गिरफ्तार किया गया। आरोपित थौबल जिला के सेकमाई थाना क्षेत्र का निवासी बताया गया है। उसके पास से एक मोबाइल फोन और सिम कार्ड जब्त किया गया।

सुनेत्रा पवार बनीं राष्ट्रवादी ...

पेश किया। बैठक में उपस्थित सभी नेताओं और पदाधिकारियों ने हाथ उठाकर इस प्रस्ताव को सहमति दी। इसके बाद पटेल ने सुनेत्रा पवार को राकांपा एपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की। राकांपा एपी प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे सहित सभी नेताओं ने सुनेत्रा पवार का स्वागत किया। इस मौके पर सुनेत्रा पवार ने कहा कि वह बहुत ही मुश्किल समय से गुजर रही हैं। अजित पवार इस पार्टी को आगे ले जाने के लिए रात-दिन काम करते थे। वह हर वर्ग के लोगों को साथ लेकर चल रहे थे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

असम विस चुनाव : जालुकबाड़ी सबसे चर्चित सीट, हिमंत की अजेय जीत का सिलसिला बरकरार

गुवाहाटी (हिंस)। असम की सोलहवीं विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आते ही राज्यभर में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। परिसीमन के बाद पहली बार हो रहे इस चुनाव में 126 विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं में व्यापक बदलाव हुआ है। इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण और चर्चित सीट है जालुकबाड़ी विधानसभा क्षेत्र, जो एक बार फिर राजनीतिक दृष्टि से चर्चा केंद्र में है। कामरूप (मेट्रो) जिले के अंतर्गत आने वाली 37 नंबर जालुकबाड़ी विधानसभा सीट का नया स्वरूप परिसीमन के बाद सामने आया है। इस सीट से वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा लगातार पांच बार विधायक निर्वाचित हो चुके हैं। जालुकबाड़ी में ग्राम पंचायतों के साथ-साथ गुवाहाटी नगर निगम के कई वार्ड शामिल हैं। इसमें वार्ड नंबर

1 का गाड़ीगांव और जालुकबारी, वार्ड नंबर 2 का पदुमबाड़ी, गुवाहाटी विश्वविद्यालय और सुंदरबाड़ी, वार्ड 3 से 9 तक के पांडु, मालीगांव और गौशाला के बड़े हिस्से, वार्ड नंबर 10 के बोरागांव का कुछ भाग तथा वार्ड नंबर 13 के फटाशिल का हिस्सा शामिल किया गया है। इसके अलावा रानी विकास खंड और उत्तर गुवाहाटी नगर क्षेत्र भी इस विधानसभा क्षेत्र में जोड़े गए हैं। पूर्व में वार्ड 13 पश्चिम गुवाहाटी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत था। आगामी चुनाव के लिए जारी प्रारूप मतदाता सूची के अनुसार जालुकबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,10,624 मतदाता हैं। इनमें 1,00,407 पुरुष मतदाता, 1,10,209 महिला मतदाता तथा 8 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि यहां महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक है। मतदान केंद्रों की संख्या भी 222 से बढ़ाकर 247 कर दी गई है। यदि चुनावी इतिहास पर नजर डालें तो जालुकबाड़ी सीट का प्रतिनिधित्व विभिन्न दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों ने किया है। 1967 में शैलेन मेधी ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत दर्ज की थी। 1972 में कांग्रेस के रेवती दास, 1978 में जनता पार्टी के लक्ष्यधर चौधरी और 1983 में कांग्रेस के शाह जलाल अली विधायक बने। 1985 में भृगु कुमार फूकन निर्दलीय रूप में तथा 1991 और 1996 में असम गण परिषद के प्रत्याशी के तौर पर निर्वाचित हुए। वर्ष 2001 से जालुकबाड़ी की राजनीति का केंद्र डॉ. हिमंत विश्व शर्मा रहे हैं। उन्होंने 2001, 2006 और 2011 में कांग्रेस के टिकट पर जीत दर्ज की। बाद में भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद 2016 और 2021 में भी उन्होंने इस सीट पर विजय हासिल की। 1996 में भृगु कुमार फूकन से पराजित होने के बाद 2001 में डॉ. शर्मा ने वापसी की और तब से उनकी जीत का सिलसिला लगातार जारी है। जालुकबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में उनका प्रभाव अब भी अटूट माना जाता है।

आज की स्थिति में कांग्रेस छह सनातनी सीटें भी नहीं जीत सकती : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में कांग्रेस राज्य की छह खिलंजिया (स्थानीय) सीटें भी जीतने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने विपक्षी दलों के संभावित गठबंधन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह दावा किया। मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस और राइजर दल के बीच चल रहे मतभेदों का उल्लेख करते हुए कहा कि जिन विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 90 प्रतिशत मतदाता मियां मुस्लिम समुदाय से हैं, उन्हीं सीटों को लेकर दोनों दलों के बीच विवाद चल रहा है। उनका आरोप था कि कांग्रेस और राइजर दल का वोट बैंक मुख्य रूप से मियां मुस्लिम समुदाय है और

दोनों दल उसी आधार पर राजनीति कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने हमें भुला दिया है। उनका दावा था कि खिलंजिया, भारतीय और सनातनी मतदाता इस बार पूरी तरह से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ खड़े हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनाव में शत-प्रतिशत खिलंजिया, भारतीय और सनातनी लोग भाजपा के पक्ष में मतदान करेंगे।

सरूपथार सीट छोड़ने को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गौरव गोगोई का किया घेराव

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट स्थित आवर्त भवन में गुरुवार को उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व लोकसभा सांसद गौरव गोगोई का घेराव कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता सरूपथार विधानसभा सीट को असम जातीय परिषद को छोड़े जाने की चर्चा से नाराज थे। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने कहा कि सरूपथार सीट वर्षों से कांग्रेस का मजबूत गढ़ रही है और इसे किसी अन्य दल को सौंपना जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय होगा। इस दौरान आवर्त भवन परिसर में नारेबाजी की गई और पार्टी नेतृत्व से स्पष्ट जवाब की मांग की गई। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने गौरव गोगोई को 24 घंटे के भीतर पार्टी की स्थिति स्पष्ट करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि निर्धारित समय में स्थिति स्पष्ट नहीं की गई तो हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता सामूहिक मुंडन कर पार्टी से त्यागपत्र दे

देंगे। आगामी चुनावों से पहले सीट बंटवारे को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच इस विरोध प्रदर्शन ने असम कांग्रेस में बढ़ते असंतोष की स्थिति को उजागर कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी नगर सेवा भवन का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज राजधानी गुवाहाटी के बेंतकुची में नवनिर्मित गुवाहाटी नगर सेवा भवन का उद्घाटन किया। यह भवन गुवाहाटी नगर निगम का मुख्यालय होगा। बेंतकुची में निर्मित इस आधुनिक नगर सेवा भवन का उद्देश्य नगर प्रशासन को अधिक सुदृढ़ और व्यवस्थित बनाना है। नए भवन के माध्यम से नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा विभिन्न विभागों के कार्यों में समन्वय स्थापित करने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि भूमि राजस्व में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जमीन का खाजना नहीं बढ़ाया है।

कोकराझाड़ में *प्रधानमंत्री दिव्याशा वयोश्री केंद्र* का शुभारंभ

कोकराझाड़ (हिंस)। जिले में समावेशी स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत आज आरएनबी सिविल अस्पताल, कोकराझाड़ में *प्रधानमंत्री दिव्याशा वयोश्री केंद्र (पीएमडी-वीके)* का विधिवत उद्घाटन किया गया। केंद्र का उद्घाटन जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने एसडीओ (सी) गोसाईगांव लौरेंबम नेल्सन मंगंगचा, आर्टिफिशियल लिम्ब्स मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलिमको) के वरिष्ठ अधिकारियों तथा जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए जिला आयुक्त चक्रवर्ती ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना कोकराझाड़ जिले के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, स्वावलंबन और समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा

कि यह केंद्र परामर्श, स्पीच थैरेपी तथा विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श जैसी समग्र पुनर्वास सेवाएं भी प्रदान करेगा, जिससे कोकराझाड़ और आसपास के क्षेत्रों के लाभार्थियों को एक ही स्थान पर समेकित सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। जिला आयुक्त ने आगामी विधानसभा चुनावों के संदर्भ में कहा कि दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए मतदान केंद्रों पर व्हीलचेयर की उपलब्धता तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए होम वोटिंग की सुविधा भी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे समावेशी लोकतांत्रिक भागीदारी को और सशक्त बनाया जा सके। कार्यक्रम के दौरान 35 चयनित लाभार्थियों को त्रिचक्र वाहन, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र तथा अन्य सहायक उपकरण औपचारिक रूप से वितरित किए गए। उल्लेखनीय है कि कोकराझाड़ में स्थापित यह केंद्र असम का चौथा *प्रधानमंत्री दिव्याशा वयोश्री केंद्र* है। यह केंद्र भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन एलिमको के माध्यम से संचालित *एडिप योजना* (विकलांग व्यक्तियों के लिए सहायता योजना) तथा *राष्ट्रीय वयोश्री योजना* के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को प्रत्यक्ष एवं स्थानीय सेवाएं प्रदान करेगा। यह केंद्र बीपीएल श्रेणी से संबंधित दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले सहायक उपकरणों का आकलन, फिटमेंट तथा निःशुल्क वितरण करने हेतु एक स्थायी सुविधा के रूप में कार्य करेगा।

असम राज्य एआईएस-140 वीएलटीडी मॉनिटरिंग सेंटर का उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। असम राज्य एआईएस-140 व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) मॉनिटरिंग सेंटर एवं बैकएंड सिस्टम का उद्घाटन आज शाम गुवाहाटी के कटाबाड़ी स्थित इंटर स्टेट बस टर्मिनल के द्वितीय तल पर किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन असम सरकार के परिवहन एवं बोड़ोलैंड कल्याण मंत्री चरण बोड़ो द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर गुवाहाटी पश्चिम के विधायक एवं एमट्रान के अध्यक्ष रमेंद्र नारायण कलिता भी उपस्थित रहेंगे। निर्भया फ्रेमवर्क के अंतर्गत स्थापित यह मॉनिटरिंग सेंटर राज्य में सार्वजनिक परिवहन वाहनों की रियल-टाइम निगरानी को सुदृढ़ करेगा तथा महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस केंद्रीकृत बैकएंड प्रणाली के माध्यम से आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र को भी अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, यह पहल तकनीक आधारित समाधान के माध्यम से असम में सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक अहम प्रयास है।

गठबंधन के मुद्दे पर गौरव पर बरसे शेरमान अली, मंदिया से चुनाव लड़ने का एलान

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई के साथ संभावित गठबंधन को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच निर्दलीय विधायक शेरमान अली अहमद ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। शेरमान अली एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद आज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। शेरमान ने कहा कि गठबंधन हो या न हो, इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने स्पष्ट रूप से घोषणा की कि वह हर हाल में मंदिया विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा स्थिति में यदि सभी विपक्षी दल

एकजुट भी हो जाएं, तब भी भाजपा को हराने की संभावना बहुत कम दिखाई देती है।

सामगुड़ी में भीषण सड़क हादसा, दो की मौके पर मौत

नगांव (हिंस)। सामगुरी के अंतर्गत तेलिया गांव में हुए भीषण सड़क हादसे में दो व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि एक ब्रेजा कार ने अचानक नियंत्रण खो दिया। तेज रफ्तार में चल रही कार डिवाइडर को तोड़ते हुए सामने से आ रहे एक ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार सवार दो लोगों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। मृतकों

में एक की पहचान द्वीपेन राजखोवा के रूप में हुई है, जबकि दूसरे व्यक्ति की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रायमोना राष्ट्रीय उद्यान में बिक्री-सह-प्रदर्शनी काउंटर स्थापित

कोकराझाड़ (हिंस)। एनटीपीसी बंगाईगांव ने अपनी सीएसआर पहलों के तहत बोड़ोलैंड रेशम उत्पादन मिशन को समर्थन दिया है-जो बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) सरकार की एक प्रमुख पहल है जिसे 2023 में बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के पारंपरिक रेशम क्षेत्र को एरी रेशम पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक टिकाऊ, उच्च आय वाले आजीविका पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने के लिए शुरू किया गया था। एनटीपीसी के द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार इस पहल के अंतर्गत, रायमोना राष्ट्रीय उद्यान से लगभग 2 किलोमीटर दूर स्थित मोथंबिल वन गांव में *रायमोना राष्ट्रीय उद्यान में एरी रेशम और हथकरघा गांव का प्रचार* परियोजना के तहत बिक्री-सह-प्रदर्शनी काउंटर का औपचारिक उद्घाटन बीते बुधवार को किया गया था। इस कार्यक्रम में बीटीआर सरकार के कार्यकारी सदस्य (स्वास्थ्य एवं

परिवार कल्याण) डेरहासत बसुमतारी ने शिरकत की। इस अवसर पर बीटीसी की रेशम उत्पादन निदेशक भानुलता मुसाहारी, बीटीसी के सहायक निदेशक रणजीत कुमार गोगोई, एनटीपीसी बंगाईगांव के अतिरिक्त महाप्रबंधक (एचआर) अमित कुमार अस्थाना, बीटीआर के पूर्व रेशम उत्पादन निदेशक एके चक्रवर्ती, डीजीएम (एचआर) रोशन दुंगदुंग, कार्यकारी (सीएसआर) स्मृति दास और एनटीपीसी एवं बीटीसी के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बीटीसी सरकार द्वारा रेशम उत्पादन विभाग के सहयोग से और एनटीपीसी बंगाईगांव के सीएसआर समर्थन से कार्यान्वित की जा रही इस परियोजना की कुल लागत 30.00 लाख है। मोथंबिल वन ग्राम को परियोजना स्थल के रूप में चुना गया है, जहां एरी रेशम पालन और हथकरघा बुनाई के माध्यम से पर्यावरण-पर्यटन से जुड़े आजीविका विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे प्रत्यक्ष रूप से लगभग 125 महिला लाभार्थियों (89 पालनकर्ता और 36 बुनकर) को लाभ होगा और अप्रत्यक्ष रूप से 779 से अधिक लाभार्थियों और आसपास के क्षेत्र में 1700 से अधिक ग्रामीणों को सहायता मिलेगी। लगभग 5.90 लाख की अनुमानित लागत से निर्मित नवनिर्मित बिक्री-सह-प्रदर्शन काउंटर को पारंपरिक असम शैली में विकसित किया गया है, जिसमें स्थानीय रूप से उत्पादित एरी रेशम और हथकरघा उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। इस सुविधा का प्रबंधन और संचालन गांव की लाभार्थी महिलाओं द्वारा किया जाएगा, जिससे उन्हें अपने उत्पादों के लिए प्रत्यक्ष बाजार पहुंच और मूल्य प्राप्ति प्राप्त होगी, जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र की महिलाओं की आजीविका और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। व्यापक परियोजना के हस्तक्षेपों में एरी रेशम कीट पालन के लिए केसरू बागानों की स्थापना, पालन घरों का निर्माण, सामुदायिक समूहों को कताई मशीनों का प्रावधान, सहायक उपकरणों के साथ उन्नत प्रमाणित करघों की आपूर्ति, गुणवत्तापूर्ण एरी धागे की आपूर्ति और इस समर्पित बिक्री मंच का निर्माण शामिल है। इस पहल के तहत, राइमोना राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक धरोहर को बोड़ो समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के साथ एकीकृत किया गया है, ताकि पर्यावरण-पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके। वन्यजीव सफारी, ट्रेकिंग और पक्षी अवलोकन के लिए राष्ट्रीय उद्यान आने वाले पर्यटकों को पारंपरिक एरी रेशम पालन, कताई और बुनाई की प्रक्रियाओं को देखने और स्थानीय कारीगरों से सीधे प्रामाणिक हथकरघा उत्पाद खरीदने का अवसर भी मिलेगा।

किशोर लड़कियों का सशक्तिकरण राष्ट्रीय प्राथमिकता है : राज्यपाल आचार्य

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहा कि किशोर लड़कियों का सशक्तिकरण राष्ट्रीय प्राथमिकता है क्योंकि देश की प्रगति मूल रूप से महिलाओं की क्षमता निर्माण से जुड़ी है। असम प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज में गुरुवार को सेवा संकल्प सप्ताह के तहत आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में किशोर लड़कियों को संबोधित करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि *नारी शक्ति* राष्ट्र के समग्र विकास की कुंजी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि राष्ट्रीय प्राथमिकता है, क्योंकि समाज और राष्ट्र की प्रगति महिलाओं की प्रगति के बिना संभव नहीं है। लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने इस बात पर जोर दिया कि सशक्तिकरण एक परिवर्तनकारी प्रक्रिया है जिसमें स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता, आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और चुनौतियों को पार करने का साहस शामिल है। उन्होंने किशोरावस्था को जीवन का सबसे संवेदनशील और निर्णायक चरण बताया, जहां समय पर मार्गदर्शन, शिक्षा, सुरक्षा और अवसरों के माध्यम से साधारण लड़की भी असाधारण सफलता प्राप्त कर सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उदाहरण करते हुए, जिन्होंने कहा था कि यदि आप

समाज को बदलना चाहते हैं, तो महिलाओं और किशोर लड़कियों को सशक्त बनाइए, राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री से प्रेरणा लेते हुए, सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए पूरे मनोयोग से काम कर रही है। मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान, मुख्यमंत्री निजुत मौइना योजना, मुख्यमंत्री जीवन प्रेरणा और और प्रेणा योजना, मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभियान आदि को महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अनुकूल वातावरण देने के लिए लांच किया गया है।

फकीराग्राम में चार मार्च को मनेगा भव्य होली मिलन समारोह

अहिंयुछाप की *बीटीसी* इकाई करेगी आयोजन

कोकराझाड़ (विभास)। अखिल हिंदीभाषी युवा छात्र परिषद बीटीसीकी कोकराझाड़ जिला समिति के नेतृत्व में आगामी 4 मार्च को फकीराग्राम में एक भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में अखिल हिंदीभाषी युवा छात्र परिषद बीटीसीकी केंद्रीय समिति के महासचिव जीतेन्द्र गिरी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की है। यह कार्यक्रम 4 मार्च को दोपहर 12 बजे से फकीराग्राम के स्टेशन रोड शनि मंदिर के सामने आयोजित होगा। महासचिव जीतेन्द्र गिरी ने बताया कि इस होली मिलन समारोह में संगठन की केंद्रीय समिति के प्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। परिषद के पदाधिकारी कार्यक्रम को सफल बनाने और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। संगठन की ओर से फकीराग्राम के समस्त निवासियों और हिंदीभाषी समाज से अपील की गई है कि वे इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं और इसे सफल बनाएं। परिषद का उद्देश्य इस आयोजन के माध्यम से युवाओं और समाज के बीच सांस्कृतिक एकता और हर्षोल्लास का संचार करना है।

कोकराझाड़ में एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा

जिला टास्क फोर्स की बैठक में 14 वर्षीय बालिकाओं को निःशुल्क टीका देने पर जोर

कोकराझाड़ (हिंस)। जिले में आगामी ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को लेकर आज जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती की अध्यक्षता में आज जिला आयुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में प्रथम जिला टास्क फोर्स (डीटीएफ) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों, व्यवस्थाओं और रणनीति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. डी भोवाल ने पॉवर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से कार्यक्रम की रूपरेखा, लक्ष्य समूह तथा लॉजिस्टिक व्यवस्था की जानकारी दी। इसके उपरांत प्रखंडवार तैयारियों

की समीक्षा की गई। डॉ. भोवाल ने अवगत कराया कि भारत सरकार की पहल के तहत 14 वर्ष की सभी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के उद्देश्य से निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर विश्व स्तर पर महिलाओं में चौथा सबसे सामान्य कैंसर है, जबकि भारत में यह दूसरा सबसे सामान्य कैंसर माना जाता है। कार्यक्रम के अंतर्गत पात्र 14 वर्षीय बालिकाओं, विशेषकर आधार कार्ड धारकों को *गार्डासिल-4 (क्वाड्रिवैलेंट)* टीका निःशुल्क लगाया जाएगा। प्रारंभिक रूप से यह अभियान तीन माह की अवधि के लिए संचालित किया जाएगा, जिसे प्रतिक्रिया और कवरेज के आधार पर आगे बढ़ाया जा सकता है। प्रत्येक टीकाकरण सत्र स्थल पर एक चिकित्सा अधिकारी की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। टीकाकरण उपरांत प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा तथा प्रत्येक लाभार्थी की पहचान और निगरानी सुनिश्चित करने के लिए बाएं हाथ की तर्जनी उंगली पर चिह्न अंकित किया जाएगा। बैठक के समापन अवसर पर जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने कहा कि एचपीवी टीकाकरण अभियान महिला केंद्रित एक महत्वपूर्ण जनस्वास्थ्य पहल है और सभी संबंधित विभागों एवं हितधारकों को अधिकतम कवरेज सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि सामाजिक संकोच या भ्रांतियां इस अभियान में बाधा नहीं बननी चाहिए। जागरूकता और व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एएसआरएलएम) के साथ समन्वय स्थापित करने का सुझाव दिया। बैठक में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी एवं संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित।

सतिया में भी चंग धमाल का आयोजन

विश्वनाथ (विभास)। फागुन महीना शुरू होते ही यूवा सहित सभी में चंग धमाल की मस्ती दिखती हैं। सभी अपने हिसाब से चंग धमाल का आयोजन करते हैं आज से सतिया मारवाड़ी समाज भी अपने यहां चंग धमाल शुरू कर दिया है। आज राकेश कुमार जोशी के घर पर चंग धमाल का आयोजन रखा गया, जिसमें सभी युवा फागुन की फुहार में मस्ती करते नजर आए। युवा धमाल गायक पवन कुमार पारीक व नन्हा गायक राधेश जोशी ने धमाल गाकर सभी को खूब नचाया मनोरंजन किया। कार्यक्रम के सहयोग में रहे सुरेन्द्र जोशी, नंदकिशोर शर्मा, गजेन्द्र सिंह, सुनील पांडिया, गोपाल चतुर्वेदी, सुमित पारीक, राजकुमार जोशी, सहित सभी समाज के लोग मौजूद थे।

संपादकीय

व्यापार समझौते का सच

हम एक लोकतांत्रिक देश हैं, लिहाजा अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध-प्रदर्शन हमारे संवैधानिक और मौलिक अधिकार हैं। हम प्रधानमंत्री, मंत्रियों, सरकार और नीतियों की आलोचना और विरोध कर सकते हैं, लेकिन ये अधिकार निरंकुश नहीं हैं। उनकी अपनी सीमा, समय और मर्यादाएं तय हैं। जरा संविधान के संबद्ध अध्याय को पढ़ लीजिए। ये अधिकार देश की जन-व्यवस्था को बिगाड़ने वाले नहीं होने चाहिए। किसी के घर में घुसकर आंदोलन खड़े नहीं किए जा सकते। युवा कांग्रेस के 'बेकमीज' कार्यकर्ताओं ने एआई शिखर सम्मेलन में घुसकर जो उत्पात मचाया था, उसे देश ने भी खारिज किया और कांग्रेस के सहयोगी दलों ने भी मुखालफत की, नाराजगी जताई, क्योंकि यह देश के मान-सम्मान का सवाल था। प्रधानमंत्री मोदी और अमरीका के साथ व्यापार समझौते का विरोध करना था, तो पूरा देश खाली पड़ा है। राजधानी दिल्ली में ही आंदोलन-स्थल चिह्नित हैं। कांग्रेस के युवाओं ने एक वैश्विक मंच को तितर-बितर करने की कोशिश की थी। दिल्ली पुलिस ने कुछ गैर-जमानती, गंभीर धाराओं में केस दर्ज किए हैं और 8 उपद्रवी उसकी रिमांड पर हैं। कांग्रेस इन दंगाइयों को 'बब्बर शेर' करार दे रही है और ऐसे प्रदर्शनों के लिए उकसा रही है। केस में 'आपराधिक साजिश', देश की अखंडता के खिलाफ, दंगे में शामिल होना और भड़काने, लोकसेवक पर हमला आदि की धाराएं लगाई गई हैं। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभानु चिब को भी रिमांड पर लिया गया है। अब इसे व्यापार समझौता बनाम किसान बनाम प्रधानमंत्री का मुद्दा बना दिया गया है। 'किसान महाचौपाल' की पहली रैली के लिए भोपाल चुना गया, क्योंकि मप्र में करीब 83.50 लाख किसान हैं। मप्र को 'सोया स्टेट' कहा जाता है, जहां देश के करीब 45 फीसदी सोयाबीन का उत्पादन होता है। करीब 50 लाख किसान सोयाबीन की खेती करते हैं। दरअसल देश की हकीकत यह है कि भारत करीब 60 फीसदी सोयाबीन एवं खाद्य तेल अर्जेन्टीना से आयात करता है और 20 फीसदी तेल ब्राजील से लेते हैं। मात्र 2 फीसदी खाद्य तेल अमरीका से आयात किया जाता है। भारत दशकों से 75 फीसदी खाद्य तेल और दालें आयात करता रहा है, क्योंकि भारत में खपत इतनी है और भारतीय किसान इतना उत्पादन करने में असमर्थ है। भारत कुल 1.61 लाख करोड़ रुपए का खाद्य तेल आयात करता है। क्या इन दशकों में हिंदुस्तान नहीं बिका? या किसान खत्म नहीं हुए? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का प्रधानमंत्री मोदी पर गंभीर आरोप है कि उन्होंने अमरीका के साथ व्यापार समझौते के जरिए हिंदुस्तान को ही बेच दिया। वस्त्र उद्योग बर्बाद कर दिया। किसानों को खत्म (सोयाबीन, कपास के संदर्भ में) कर दिया और देश का महत्वपूर्ण डाटा अमरीका को दे दिया। चूंकि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और प्रधानमंत्री का लगातार विरोध करना ही उनका राजनीतिक दायित्व है। भारत के लोकतंत्र में नेता विपक्ष को 'छाया प्रधानमंत्री' कहते हैं, क्योंकि वह दूसरा सबसे महत्वपूर्ण पद है। राहुल गांधी कुछ भी बोल सकते हैं, लेकिन सच तो यह है कि अभी अमरीका के साथ व्यापार समझौता हुआ ही नहीं है। सिर्फ फ्रेमवर्क हुआ था, जिसे कभी भी खारिज किया जा सकता है। अब अमरीकी सर्वोच्च अदालत के 'अवैध टैरिफ' वाले फैसले के बाद दोनों पक्ष पुनर्विचार कर रहे हैं, बैठक भी टाल दी गई है। जब डील हुई ही नहीं, तो देश कैसे बेच दिया गया? इसके अलावा, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्री, कृषि मंत्री लिखित तौर पर स्पष्ट कर चुके हैं कि किन कृषि, खाद्य, डेयरी उत्पादों और मसालों को भारत के बाजार में आने की अनुमति अमरीका को नहीं दी गई है। फिर देशहित से सौदा कैसे कर लिया गया? कमोबेश नेता प्रतिपक्ष देश को भ्रमित और गुमराह न करें। कांग्रेस अभी ऐसी महाचौपाल महाराष्ट्र और राजस्थान में भी आयोजित करेगी। बहरहाल यह उनकी राजनीति है, लेकिन एआई शिखर सम्मेलन के दौरान जो 'नंगापन' सामने आया, क्या उसकी कोई भी लीड खुफिया एजेंसियों को नहीं मिली? यह खुफिया तंत्र की गंभीर नाकामी है कि वैश्विक आयोजन में हुड़दंग मच गया।

हम प्रधानमंत्री, मंत्रियों, सरकार और नीतियों की आलोचना और विरोध कर सकते हैं, लेकिन ये अधिकार निरंकुश नहीं हैं। उनकी अपनी सीमा, समय और मर्यादाएं तय हैं। जरा संविधान के संबद्ध अध्याय को पढ़ लीजिए। ये अधिकार देश की जन-व्यवस्था को बिगाड़ने वाले नहीं होने चाहिए। किसी के घर में घुसकर आंदोलन खड़े नहीं किए जा सकते। युवा कांग्रेस के 'बेकमीज' कार्यकर्ताओं ने एआई शिखर सम्मेलन में घुसकर जो उत्पात मचाया था, उसे देश ने भी खारिज किया और कांग्रेस के सहयोगी दलों ने भी मुखालफत की, नाराजगी जताई, क्योंकि यह देश के मान-सम्मान का सवाल था। प्रधानमंत्री मोदी और अमरीका के साथ व्यापार समझौते का विरोध करना था, तो पूरा देश खाली पड़ा है। राजधानी दिल्ली में ही आंदोलन-स्थल चिह्नित हैं। कांग्रेस के युवाओं ने एक वैश्विक मंच को तितर-बितर करने की कोशिश की थी। दिल्ली पुलिस ने कुछ गैर-जमानती, गंभीर धाराओं में केस दर्ज किए हैं और 8 उपद्रवी उसकी रिमांड पर हैं। कांग्रेस इन दंगाइयों को 'बब्बर शेर' करार दे रही है और ऐसे प्रदर्शनों के लिए उकसा रही है। केस में 'आपराधिक साजिश', देश की अखंडता के खिलाफ, दंगे में शामिल होना और भड़काने, लोकसेवक पर हमला आदि की धाराएं लगाई गई हैं।

घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी

शिक्षा को हिंसक नहीं, संवेदनशील बनाना होगा

ललित गर्ग

देश में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और सामान्य परीक्षाएं भी शुरू होने वाली हैं। हर साल की तरह इस बार भी परीक्षा का मौसम केवल प्रश्नपत्रों और परिणामों का नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, चिंता और असुरक्षा का मौसम बनता जा रहा है। छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है। यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है। दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है। लखनऊ की घटना केवल परीक्षा दबाव की कहानी नहीं है, बल्कि परिवारों में बढ़ती संवेदनहीनता, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा का दर्पण है। पुलिस जांच के अनुसार एक पैथोलॉजी लैब संचालक पिता अपने बेटे को डॉक्टर बनाना चाहते थे और उस पर नीट जैसी परीक्षा पास करने का लगातार दबाव बना रहे थे। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, कुछ बाहर फेंके, कुछ घर में छिपाए, छोटी बहन को धमकाया और पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले लापता होने और फिर आत्महत्या की कहानी गढ़ी। यह सब बताता है कि यह क्षणिक आवेश नहीं था, बल्कि भीतर लंबे समय से पल रही कुंठा, आक्रोश और मानसिक विघटन का परिणाम था। प्रश्न यह है कि एक बेटे के भीतर इतनी नफरत कैसे पनप सकती है? क्या 'कुछ बनने' का दबाव इतना भारी हो सकता है कि वह रिश्तों को भी तार-तार कर दे? हर माता-पिता चाहते हैं कि

छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है। यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है। दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

उनकी संतान सफल हो, प्रतिष्ठित करियर बनाए, समाज में सम्मान पाए। लेकिन जब यह चाहत संवाद और सहयोग की जगह नियंत्रण और दबाव का रूप ले लेती है, तब वह प्रेरणा नहीं, मानसिक उत्पीड़न बन जाती है। जब शिक्षा जीवन-निर्माण का माध्यम न होकर, विनाश का कारण बन जाती है।

भारत में नीट और जी जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के लिए उम्मीद का प्रतीक हैं। नीट में पिछले वर्ष 23 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जबकि ज्वाइंट एन्टरेंस एक्जामिनेशन (जेईई) के एक सत्र में 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया। इन लाखों विद्यार्थियों में से केवल कुछ हजार ही शीर्ष संस्थानों तक पहुंच पाते हैं। शेष विद्यार्थियों के हिस्से अक्सर निराशा, आत्मग्लानि और सामाजिक तुलना का दंश आता है। जब सफलता का पैमाना केवल रैंक और अंक बन जाए, तो असफलता जीवन का अंत प्रतीत होने लगती है। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों में हर वर्ष आत्महत्या की खबरें सामने आती हैं। कोटा देश की कोचिंग राजधानी कही जाती है, जहां हजारों छात्र सपने लेकर पहुंचते हैं। लेकिन उन्हीं सपनों का बोझ कई बार उनके जीवन से भारी पड़ जाता है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का परिणाम है जिसमें प्रतियोगिता सहयोग से अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है।

लखनऊ की घटना में एक और तथ्य उल्लेखनीय है-आरोपी छात्र की मां का निधन हो चुका था। घर में चाचा-चाची मौजूद थे, लेकिन क्या उस युवक की मनःस्थिति को समझने का प्रयास किया गया? क्या उसके भीतर के तनाव, अकेलेपन और भय को किसी ने सुना? यदि परिवार में नियमित संवाद होता, यदि मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाता जितनी अंकों को, तो शायद यह भयावह वारदात टाली जा सकती थी। आज समस्या केवल आत्महत्या तक सीमित नहीं है। बच्चे हिंसक भी हो रहे हैं। यह हिंसा बाहरी नहीं, भीतर से उपज रही है-कुंठा, अपमानबोध, तुलना और असफलता के भय से। जब बच्चे को यह महसूस होने लगे कि वह केवल एक 'प्रोजेक्ट' है, एक 'इन्वेस्टमेंट' है, जिसे किसी निश्चित पेशे में ढालना है, तब उसकी स्वतंत्र पहचान कुचल जाती है। वह या तो भीतर ही भीतर टूट जाता है या विस्फोट कर देता है।

शिक्षा का उद्देश्य जीवनदायिनी होना चाहिए-विवेक, संवेदना और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए। लेकिन जब शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा और रैंकिंग का माध्यम बन जाए, तो वह तनाव और हिंसा को जन्म देती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकता, और न ही बनना चाहिए। विविध प्रतिभाओं को सम्मान देने वाली सामाजिक मानसिकता विकसित किए बिना यह संकट कम नहीं होगा। इस संदर्भ में तीन स्तरों पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। पहला, परिवार। माता-पिता को यह समझना होगा कि अपेक्षा और दबाव में अंतर है। अपेक्षा प्रेरणा देती है, दबाव भय पैदा करता है। बच्चों के साथ खुला संवाद, उनकी रुचियों को समझना, असफलता को स्वीकार्य बनाना और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। 'तुम्हें डॉक्टर बनना ही है' की जगह 'तुम जो बनना चाहो, हम साथ हैं' जैसी सोच विकसित करनी होगी। दूसरा, शिक्षा संस्थान। स्कूल और कोचिंग संस्थानों को केवल परिणाम देने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील संस्थान बनना होगा। नियमित काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएं और परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न न बनाने की संस्कृति विकसित करनी होगी। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों की मानसिक दशा पहचानने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। तीसरा, सरकार और समाज। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और कलंकमुक्त बनाना होगा। परीक्षा प्रणाली में सुधार, वैकल्पिक करियर मार्गों को बढ़ावा, और कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देना समय की मांग है। मीडिया को भी सनसनी की बजाय संवेदनशील रिपोर्टिंग करनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इन घटनाओं को सामान्य न मानें। हर आत्महत्या और हर हिंसक घटना हमारे सामाजिक ताने-बाने में दरार का संकेत है। यदि हम इसे केवल 'व्यक्तिगत मामला' कहकर टाल देंगे, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। लखनऊ की घटना हमें झकझोरती है। यह बताती है कि शिक्षा का दबाव, पारिवारिक संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा मिलकर कितनी भयावह परिणति ला सकती है। अब समय है कि हम सामूहिक आत्ममंथन करें। शिक्षा को जीवन का उत्सव बनाएं, न कि भय का कारण। बच्चों को लक्ष्य दें, लेकिन उनके पंख न काटें। सपने दिखाएं, पर उन्हें सांस लेने की जगह भी दें। जब तक हम सफलता की परिभाषा को व्यापक नहीं करेंगे और बच्चों को अंक से अधिक मनुष्य मानना नहीं सीखेंगे, तब तक यह संकट बना रहेगा।

देश | दुनीया से

मेलों को बनाएं सतत विकास का माध्यम

भारतीय संस्कृति मूलतः उत्सवधर्मी है। ऋतु परिवर्तन से लेकर धार्मिक आस्थाओं और स्थानीय परंपराओं तक, वर्ष भर देश के विभिन्न हिस्सों में मेले और उत्सव आयोजित होते रहते हैं। हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी प्रदेश में मेले केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि लोकजीवन की धडकन हैं। ऐसे आयोजन देव संस्कृति, लोककला, लोकसंगीत, हस्तशिल्प और पारंपरिक खानपान को मंच प्रदान करते हैं एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देते हैं और युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोडने का अवसर प्रदान करते हैं। किन्तु पिछले कुछ वर्षों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति उभरकर सामने आई है और वह है, मेलों का बढ़ता सरकारीकरण और राजनीतिकरण। हिमाचल में अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तरीय सरकारी दर्जा प्राप्त मेलों की संख्या सौ से अधिक बताई जाती है। वर्ष भर प्रशासनिक अमला इन मेलों के आयोजनों में व्यस्त रहता है। सिद्धांततः यह स्थिति सांस्कृतिक संरक्षण के लिए सकारात्मक प्रतीत हो सकती है, परंतु व्यवहार में इसके कई दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। राजनीतिक हस्तक्षेप इसका सबसे प्रमुख पक्ष है। अनेक अवसरों पर देखा गया है कि मेले के मंच और खर्चों पर अप्रत्यक्ष रूप से सत्तारूढ़ दल के लोगों का प्रभाव बना रहता है। समापन दिवस सांस्कृतिक आयोजन कम और राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन अधिक प्रतीत होता है। मेला समिति के संसाधनों से नेताओं और उनके समर्थकों को मोमेंटो, शॉल-टोपी आदि से सम्मानित किया जाता है, जबकि वास्तविक श्रम करने वाले अधिकारी-कर्मचारी, बुद्धिजीवी और स्थानीय स्वयंसेवक उपेक्षित रह जाते हैं। सांस्कृतिक संध्याओं की गुणवत्ता भी प्रश्नों के घेरे में है। हाल ही में मंडी में आयोजित मंडी अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव की एक सांस्कृतिक संध्या में अश्लील चुटकुलों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिससे आयोजकों की व्यापक आलोचना हुई। ऐसे प्रसंग दर्शाते हैं कि कलाकार चयन में पारदर्शिता और संवेदनशीलता का अभाव है। स्थानीय और उभरते कलाकारों को मंच पर एक-दो मिनट देकर उतार दिया जाता है, जबकि बाहरी 'सेलिब्रिटी' कलाकार लंबा समय लेकर मोटी रकम वसूलते हैं। इससे न केवल स्थानीय प्रतिभाओं का मनोबल गिरता है, बल्कि लोकसंस्कृति के संरक्षण का उद्देश्य भी गौण हो जाता है। इसी प्रकार धर्मशाला में आयोजित कांगड़ा कार्निवाल के दौरान दर्शकों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था न होना, बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए असुविधाजनक परिस्थितियां पैदा करना, प्रशासनिक तैयारी पर प्रश्नचिह्न लगाता है। मेले जनसहभागिता के आयोजन हैं। यदि मूलभूत सुविधाएं ही उपलब्ध न हों, तो भव्य मंच-सज्जा का कोई अर्थ नहीं रह जाता। हिमाचल के प्रमुख मेलों, कुल्लू दशहरा, मंडी अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव, बैजनाथ शिवरात्रि मेला, मिंजर मेला तथा सुजानपुर का होली मेला में भागीदारी के अनुभव बताते हैं कि स्टॉल आवंटन से करोड़ों रुपए की आय अर्जित की जाती है। उदाहरण के लिए सुजानपुर टिहरा के चौगान मैदान को होली

> हिमाचल में अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तरीय सरकारी दर्जा प्राप्त मेलों की संख्या सौ से अधिक बताई जाती है। वर्ष भर प्रशासनिक अमला इन मेलों के आयोजनों में व्यस्त रहता है। सिद्धांततः यह स्थिति सांस्कृतिक संरक्षण के लिए सकारात्मक प्रतीत हो सकती है, परंतु व्यवहार में इसके कई दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं।

मेले के लिए 2 करोड़ 31 लाख की बोली पर दिए जाने की खबरों ने छोटे दुकानदारों में चिंता बढ़ाई है। इससे स्पष्ट है कि प्रशासन को ऐसे आयोजनों से भारी राजस्व प्राप्त होता है। प्रश्न यह है कि इस आय का कितना हिस्सा संबंधित क्षेत्र के स्थायी विकास पर व्यय होता है? दुर्भाग्य से अनेक स्थानों पर सफाई व्यवस्था अत्यंत दयनीय पाई जाती है। मेले के बाद मैदानों में कचरे का अंबार, उड़ती धूल, अव्यवस्थित पार्किंग और अस्थायी दुकानों के अवशेष लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन जाते हैं। मेला स्थलों पर पार्किंग, गंदगी और पेयजल की कमी की शिकायतें आम हैं। दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं को पीने का स्वच्छ पानी, शौचालय और ठहरने की समुचित सुविधाएं उपलब्ध न होना प्रशासनिक उदासीनता का द्योतक है। विडंबना यह भी है कि देवताओं, देवलुओं, बजंतरियों और पुजारियों, जो इन धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों की आत्मा हैं, के लिए समुचित व्यवस्थाएं अक्सर नगण्य रहती हैं। अधिकांश राशि सांस्कृतिक संध्याओं की चमक-दमक पर खर्च कर दी जाती है, जबकि स्थायी ढांचे, सार्वजनिक शौचालय, पुस्तकालय, पार्किंग स्थल, स्वच्छ पेयजल व्यवस्था उपेक्षित रह जाते हैं। यदि मेले से अर्जित आय का एक निश्चित प्रतिशत संबंधित शहर या कस्बे के बुनियादी ढांचे के विकास पर अनिवार्य रूप से खर्च किया जाए, तो ये आयोजन दीर्घकालिक सामाजिक लाभ दे सकते हैं। राजनीतिकरण का एक अन्य आयाम यह है कि मेला समितियों में चयन और निर्णय प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होती। कलाकार चयन, स्टॉल आवंटन और सम्मान वितरण में पक्षपात की शिकायतें मिलती रहती हैं। इससे आम जनता में अविश्वास पनपता है। साथ ही, बाहरी व्यापारियों और रेहड़ी-फड़ी वालों की अधिकता से स्थानीय व्यापारियों की आजीविका प्रभावित होती है। प्रशासन को ऐसी नीति बनानी चाहिए, जिसमें स्थानीय दुकानदारों को प्राथमिकता और संरक्षण मिले। सवाल उठता है कि आखिर समाधान क्या हो? प्रथम, सभी सरकारी दर्जा प्राप्त मेलों की आय-व्यय का वार्षिक ऑडिट अनिवार्य और सार्वजनिक किया जाए। वेबसाइटों पर विस्तृत विवरण उपलब्ध हो, ताकि नागरिक आरटीआई का सहारा लिए बिना जानकारी प्राप्त कर सकें। द्वितीय, मेला आय का एक निश्चित अंश, मान लें 25 प्रतिशत, स्थायी सार्वजनिक सुविधाओं के विकास हेतु अनिवार्य किया जाए। तृतीय, कलाकार चयन और सम्मान वितरण के लिए स्वतंत्र और विशेषज्ञ समिति गठित की जाए, जिसमें लोकसंस्कृति के जानकार, साहित्यकार, शिक्षाविद और समाजसेवी शामिल हों। चतुर्थ, हिमाचली व्यापारियों और स्वयं सहायता समूहों को प्राथमिकता देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। अंततः, मेले मनोरंजन का साधन अवश्य हैं, परंतु उनका उद्देश्य केवल कुछ दिनों की चकाचौंध नहीं होना चाहिए। वे समाज की सांस्कृतिक चेतना, आर्थिक सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास के वाहक बन सकते हैं, यदि उनमें पारदर्शिता, जवाबदेही और संतुलन हो। सरकार और प्रशासन को चाहिए कि वे मेलों को राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का मंच बनाने के बजाय उन्हें जनहित, संस्कृति संरक्षण और सतत विकास का माध्यम बनाएं। तभी हिमाचल की समृद्ध परंपराएं आने वाली पीढ़ियों तक सम्मानपूर्वक और स्वाभिमान के साथ पहुंच सकेंगी।

आप का | नजरीया

फैसलों को काटने का हक

कर्मचारी एक फर्ज या भूमिका का आगाज, सामने पतझड़ में वसंत का इंतजार। हिमाचल में पहले वसंत में फैसले होते थे, तो दफ्तरों और संस्थानों में हर दिन दिवाली सी होती थी, लेकिन अब वित्तीय पतझड़ के बीच वसंत से वापस लेने पड़ते हैं कठिन फैसले। ऐसे में नाक पर अपनी छवि ढोएं या नाक पर बैठी मक्खी से उलझ जाएं। आश्चर्य है कि बढ़ते ऋण के हिसाब में भी फैसलों को काटने का अधिकार मांगा जा रहा है। वह इसलिए कि पढ़ाई को गुल्ली-डंडा मान कर, स्कूलों में माहौल लंबी तान के सो गया और शिक्षा से इतर नेताओं की चमक में नीतियां और वार्षिक समारोहों के तोरणद्वार सजने लगे थे। ऐसे में बचाएं किसे। शिक्षा, शिक्षा की पद्धति या राष्ट्रीय सफलता के आयाम में पठन-पाठन की परिपाटी बदली जाए। स्कूलों की प्रासंगिकता में छात्रों की अभिरुचि, अध्यापकों की पोस्टिंग, शिक्षा की गुणवत्ता से सफलता का निष्कर्ष निकाला जाए या सरकारी संस्थानों के सामने विजयी उदघोष में निजी स्कूली परिसरों का मुकाबला किया जाए। हैरानी यह है कि इमारतों में शिक्षा की प्रासंगिकता ढूंढी जा रही है, जबकि उपयोगिता के लिहाज से सारा पाठ्यक्रम प्रश्नांकित है। शिक्षा में सरकारी स्कूल ही पिछड़े हो जाएं, तो इन्हें नए कौशल, ऊर्जा और मानदंड के लिहाज से नई दृष्टि चाहिए। इसी परिप्रेक्ष्य में सीबीएसई की प्रयोगशाला में अगर डेढ़ सौ के करीब सरकारी स्कूल रखे जा रहे हैं, तो इसके जरिए शिक्षकों को भी श्रेय लूटने का मौका है। यह सवाल और फैसला अभिभावकों की कचहरी में है कि वे सरकारी इमारत के बीच सीबीएसई के दिल से जुड़ते हैं या यह चमत्कार अभी कठिन परीक्षण के दौर में है। परीक्षण केवल एक पद्धति का नहीं है, बल्कि नए प्रयोग की सफलता का भी है, इसलिए सरकार नए मानदंडों के आकलन में शिक्षक वर्ग का उत्थान चाहती है और इस तरह जो 'गुरुत्व' कुछ अध्यापकों को स्क्रीनिंग के मुहाने तक खींच लाया, उसके मायने सार्थक और गंभीर हैं। अंततः शिक्षक ही वास्तविक कड़ी है जो शिक्षा का परिवेश बदल सकता है। सीबीएसई स्कूलों के माध्यम से हम दिल्ली या चंडीगढ़ के स्कूलों का वातावरण इतना नजदीक ला सकते हैं कि कल छात्रों का एक विशिष्ट समुदाय उच्च शिक्षा के पैमानों में, अपनी क्षमता का ईंधन भरते हुए राष्ट्रीय फलक की पहचान बनाने की प्रतिस्पर्धा में अव्वल मूल्यांकन करवा पाएगा। यह दीगर है कि कैडर में सब कॉडर का चयन भी एक परीक्षा है। कॉडर के बीच संघर्ष के चिन्ह महज नाफरमानी नहीं हो सकते, बल्कि यह अनूठा पुरुषार्थ है जिसके फलक पर सारा दारोमदार रहेगा। आखिर सेंट्रल, नवोदय व सैनिक स्कूलों की तर्ज पर हिमाचल के सरकारी स्कूलों में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का झंडा फहराने के मानदंड भी तो स्थापित होने हैं। बेशक सीबीएसई सब कैडर से मूल में वापसी का विकल्प अब शिक्षकों की वरिष्ठता सूची की हिफाजत करेगा, फिर भी स्क्रीनिंग टेस्ट में मैरिट के आधार पर चयन सूची जैसी पारदर्शिता का इंतजार शिक्षक वर्ग को रहेगा। सीबीएसई स्कूलों में नए कैडर की तलाशी के इंतजाम, दरअसल सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट के पैमाने भी खड़े कर रही है। क्या सीटेट की परीक्षा की अनिवार्य शर्त से छूट मिलेगी या आगे चलकर यह लक्ष्मण रेखा भी पार करनी होगी। अंततः सीबीएसई पद्धति में सरकारी अध्यापक की शिनाख्त के बीच भरोसे का सेतु भी खड़ा करना पड़ेगा, लेकिन इसका यह अर्थ भी नहीं कि पूरी प्रक्रिया की अहर्ताओं को दरकिनार कर दिया जाए। अभी नए स्कूलों के आगाज में सरकार की इच्छाशक्ति के खिलाफ कुछ आंदोलनों की मिट्टी ढूंढी जा रही है। आश्चर्य यह कि कुछ स्थानों पर स्कूली छात्रों से इस मुहिम के खिलाफ नारेबाजी करवाई जा रही है, फिर भी सीबीएसई स्कूलों के समर्थन में भी अभिभावकों का एक वर्ग तैयार हो चुका है। आज अगर डेढ़ सौ के करीब स्कूलों में अध्ययन-अध्यापन की तख्तियां बदली जा रही हैं, तो कल इसी कतार में भविष्य का कदमताल बढ़ सकता है।

स्कूलों की प्रासंगिकता में छात्रों की अभिरुचि, अध्यापकों की पोस्टिंग, शिक्षा की गुणवत्ता से सफलता का निष्कर्ष निकाला जाए या सरकारी संस्थानों के सामने विजयी उदघोष में निजी स्कूली परिसरों का मुकाबला किया जाए। हैरानी यह है कि इमारतों में शिक्षा की प्रासंगिकता ढूंढी जा रही है, जबकि उपयोगिता के लिहाज से सारा पाठ्यक्रम प्रश्नांकित है। शिक्षा में सरकारी स्कूल ही पिछड़े हो जाएं, तो इन्हें नए कौशल, ऊर्जा और मानदंड के लिहाज से नई दृष्टि चाहिए। इसी परिप्रेक्ष्य में सीबीएसई की प्रयोगशाला में अगर डेढ़ सौ के करीब सरकारी स्कूल रखे जा रहे हैं, तो इसके जरिए शिक्षकों को भी श्रेय लूटने का मौका है। यह सवाल और फैसला अभिभावकों की कचहरी में है कि वे सरकारी इमारत के बीच सीबीएसई के दिल से जुड़ते हैं या यह चमत्कार अभी कठिन परीक्षण के दौर में है। परीक्षण केवल एक पद्धति का नहीं है, बल्कि नए प्रयोग की सफलता का भी है, इसलिए सरकार नए मानदंडों के आकलन में शिक्षक वर्ग का उत्थान चाहती है और इस तरह जो 'गुरुत्व' कुछ अध्यापकों को स्क्रीनिंग के मुहाने तक खींच लाया, उसके मायने सार्थक और गंभीर हैं। अंततः शिक्षक ही वास्तविक कड़ी है जो शिक्षा का परिवेश बदल सकता है।

कुछ | अलग

एक मनहूस नाटक...

वह सडक जो भूतपूर्व हो चुकी थी, आज उसका मुआइना करने के लिए परवरदिगार आए हैं। सडक जब बनी तो सडक थी, जल्दबाजी में ठेकेदार के द्वारा बनाई गई एक सडक। आर्थिक वर्ष का अंत पास था। खजाने में ग्रांट अप्रयुक्त पड़ी थी। मौसम भी यहां खलनायक है, बसंत के दिनों में बादल फटता है, और बादल फटने के दिनों में बसंत आपकी अगवानी करता है। इसलिए बनी सडकें इस मौसम में कब टूट-फूट कर पगडंडी हो गईं, कुछ पता नहीं चला। गड्ढों की शरणस्थली भी कब मरम्मत की तलाश में बोरवैल बन गई, पता ही नहीं चला। यहां मरम्मत के नाम पर सडकों के बार-बार टूटने के रिकार्ड बनते हैं, और इस पर चलने फिरने वाले लोग अपने नाम के साथ स्वर्गीय कहलाने को बेबस दिखाई देते हैं। रात का अंधेरा क्या अब तो यहां दिन में भी तारे दिखाई देने लगे, इसीलिए नागरिकों ने भूतों की वेशभूषा धारण करके यहां कीचड़ भरे कपड़ों के साथ भूतिया नृत्य पेश किया। जी नहीं, यह किसी आधुनिक नुक्कड़ नाटक की पेशकारी नहीं थी। इस सडक से गुजरते लोगों का असली नाच था। एक प्रतीक नाटक बनाने की जरूरत ही क्या, जबकि जिंदगी ही यहां एक मनहूस नाटक हो गई। नाच और हर हाल में लोग नाचते दिखाई देते हैं। बेबस नाच। यहां जाने-माने गुंडों के साथ चंद पुलिस अधिकारी नाचते दिखाई देते हैं। अब गैंगस्टर तो हर इलाके में हैं। वे भी अपने इलाके में खुली बाहों के साथ उनका स्वागत करते हैं, और अपनी उनके साथ घी खिचड़ी हो जाने की लालसा पूरी करते हैं। नतीजतन, एफआईआर में से असल दोषियों के नाम गायब होते नजर आते हैं। अदालतों में केस पेश होने में देर होने लगती है।

दृष्टि | कोण

आर्थिक योगदान व पर्यावरण क्षति का हो मूल्यांकन

उत्तराखंड सरकार के अनुसार गत वर्ष राज्य में पर्यटकों का आगमन 6 करोड़ पार कर गया, जो कुल आबादी से छह गुना अधिक है। 'इंडिया टूरिज्म कम्पोडियम 2025' के आंकड़ों पर गौर करें तो यह आंकड़ा कोई मायावी नहीं हैं, बल्कि हकीकत है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन की परिभाषा के आधार पर ही ये आंकड़े तैयार किये गये हैं। उन्हीं आंकड़ों के अनुसार गत वर्ष उत्तर प्रदेश में 64.6 करोड़ और तमिलनाडु में 30 करोड़ से अधिक पर्यटक पधारे थे। ये भारी-भरकम आंकड़े सरकारी फाइलों में सफलता के प्रमाणपत्र की तरह पेश किए जाते हैं, लेकिन इनकी गहराई में उतरते ही एक गंभीर विरोधाभास भी सामने आता है। अगर किसी प्रदेश में सचमुच आनंद की अनुभूति के लिए इतने पर्यटक आ जायें तो उस प्रदेश का बेड़ापार ही हो जाये! क्या विशाल भीड़ वास्तव में वह 'पर्यटक' है, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है, या यह केवल एक सांख्यिकीय भ्रम है? 'संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन' के मानक 'पर्यटक' की परिभाषा को इतना व्यापक बना देते हैं कि इसमें श्रद्धा और सैर-सपाटे के बीच का अंतर समाप्त हो जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपने सामान्य निवास स्थान से बाहर 24 घंटे से अधिक रुकता है, तो उसे पर्यटक माना जाएगा, चाहे उद्देश्य धार्मिक हो या मनोरंजन। इन्हीं मानकों की ओट में भारतीय राज्य कांवड़ियों और साधुओं को भी 'पर्यटक' की श्रेणी में दर्ज कर लेते हैं। यहीं से उस धारणा को चुनौती देने की आवश्यकता है जो संख्यात्मक बहुलता को आर्थिक समृद्धि का पर्याय मान लेती है। वास्तव में पर्यटक और तीर्थयात्री के उद्देश्य और खर्च करने की क्षमता में मौलिक अंतर होता है। पर्यटक होटलों में रुकता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था में 'लिक्विड कैश' का संचार करता है। इसके विपरीत, पारंपरिक तीर्थयात्री अक्सर अपना भोजन साथ लेकर चलते हैं और उनकी यात्रा का उद्देश्य मानसिक शांति होती है, न कि आर्थिक उपभोग। 'प्लेजर टूर' या आनंदमयी यात्रा ही वास्तव में पर्यटन की वह मूल अवधारणा है जो इसे 'तीर्थाटन' से अलग करती है।

पर्यटन का मुख्य आधार 'अवकाश' (लीजर) है, जिसे गिल्बर्ट सिग्रॉक्स ने एक ऐसी मानवीय गतिविधि माना है, जिसमें व्यक्ति स्वेच्छा से अपने मनोरंजन, ज्ञानवर्धन या स्वास्थ्य लाभ के लिए सामान्य परिवेश का त्याग करता है। तीर्थाटन जहां धार्मिक आस्था, कर्तव्य और मोक्ष की भावना से प्रेरित होता है, वहीं 'प्लेजर टूर' का प्राथमिक उद्देश्य मानसिक शांति, भौतिक सुख और व्यक्तिगत खुशी प्राप्त करना होता है। दरअसल, तीर्थाटन में जहां 'श्रद्धा' सर्वोपरि है, वहीं पर्यटन या 'प्लेजर टूर' जब हम इन दोनों श्रेणियों को एक ही तराजू में तौलते हैं, तो नीतिगत स्तर पर भारी चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जहां तीर्थाटन का बोलबाला है, वहां की अवसंरचना पर पड़ने वाला दबाव इन करोड़ों नवागन्तुकों की भीड़ से तय होता है, लेकिन उस दबाव को झेलने के लिए मिलने वाला राजस्व उस अनुपात में नहीं होता। उदाहरण के तौर पर, कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों की भीड़ के लिए प्रशासन को सफाई, सुरक्षा और स्वास्थ्य की जो व्यवस्था करनी पड़ती है, उसका वित्तीय बोझ करदाताओं की जेब पर पड़ता है, जबकि उस भीड़ से होने वाला प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ न्यूनतम होता है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम केवल संख्या गिनने के लिए अपनी पारिस्थितिकी और संसाधनों को दांव पर लगा रहे हैं? तर्कपूर्ण ढंग से देखें तो पर्यटकों और तीर्थयात्रियों के लिए आवश्यक अवसंरचना भी पूरी तरह भिन्न होती है। एक हाई-वैल्यू पर्यटक को बेहतर कनेक्टिविटी, स्वच्छता, निजी स्थान और उच्चस्तरीय आतिथ्य की आवश्यकता होती है।

सीएम डॉ. मोहनलाल यादव बोले

सनातन की रक्षा को जात-पात से ऊपर उठे समाज, 2028 उज्जैन महाकुंभ का दिया न्योता

भीलवाड़ा (हिंस)। धर्मनगरी भीलवाड़ा स्थित हरी सेवा धाम में आयोजित सनातन मंगल महोत्सव का आज वैदिक रीति-विधि के साथ भव्य समापन हुआ। तीन संतों की दीक्षा और नामकरण संस्कार के साथ पूरा पंडाल *हर-हर महादेव* और *जय श्रीराम* के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। देशभर से पधारे संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। समापन समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहनलाल यादव, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेश नाथ, राज्य के सहकारिता मंत्री गौतम दक तथा भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। संतों की दीक्षा के पश्चात नामकरण संस्कार में इंद्रदेव को संत ईशान राम, कुणाल को संत केशव राम तथा सिद्धार्थ को संत सूयज्ञ राम उदासी नाम प्रदान किया गया। नाम उच्चारण के साथ ही श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहनलाल यादव ने कहा कि वर्तमान समय में सनातन धर्म की रक्षा और उसके गौरव को पुनर्स्थापित करने के लिए समाज को जाति-पांति से ऊपर उठकर एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद जिस प्रकार अयोध्या में प्रभु श्रीराम का धाम पुन: आलोकित हुआ है, उसी प्रकार आने वाले समय में मथुरा में भी श्रीकृष्ण धाम विश्व पटल पर नई पहचान बनाएगा। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े सभी देवस्थलों को धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। वर्ष 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाले महाकुंभ का उल्लेख करते हुए उन्होंने सभी संतों और श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया और कहा कि इस महाकुंभ में नवाचार के साथ सनातन की नई चेतना का संचार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज विश्वभर में सनातन संस्कृति की पताका लहरा रही है। उन्होंने भावपूर्ण शब्दों में कहा कि राज से राजस्थान और मैं से मध्य प्रदेश, दोनों मिलकर ही राम बनता है, जो राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समन्वय का संदेश देता है। उन्होंने तीनों नवदीक्षित संतों का शाल ओढ़ाकर व माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। इससे पूर्व हरी सेवा उदासीन आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी हंसराज महाराज ने सभी संतों और अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भीलवाड़ा में आयोजित इस सनातन महोत्सव ने जो मुकाम हासिल किया है, वह पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि सनातन की जो ध्वजा यहां से फहराई गई है, उसे अक्षुण्ण बनाए रखने की जिम्मेदारी हम सभी की है। *संत सदैव देने वाला होता है, लेने वाला कभी संत नहीं हो सकता*-उनके इन शब्दों पर पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेश नाथ महाराज ने भी समाज से सनातन परंपरा और राष्ट्रहित में संगठित होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जागरण का प्रतीक है।

सफाई कर्मचारियों का फूटा गुस्सा; वादाखिलाफी के खिलाफ प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

फतेहाबाद (हिंस)। हरियाणा सरकार की बेरुखी और लंबित मांगों को लेकर ऑल सफाई कामगार संघर्ष समिति के बैनर तले जिलेभर के सफाई कर्मचारियों ने गुरूवार को फतेहाबाद में रोष प्रदर्शन किया और जिला उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री नायब सैनी के नाम अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन की अध्यक्षता नगर पालिका कर्मचारी संघ के जिला प्रधान विजय ढाका और ग्रामीण कर्मचारी जिला प्रधान सुनील कुमार ने संयुक्त रूप से की। प्रदर्शन के दौरान राज्य वरिष्ठ उप प्रधान रमेश तोषामड, पूर्व प्रधान बेगराज और इकाई प्रधान नरेश राणा ने सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने 24 नवंबर 2024 को जींद की रैली में सफाई कर्मचारियों का वेतन 26-27 हजार रुपए करने की घोषणा की थी, जो आज तक धरातल पर नहीं उतरी है। नेताओं ने आरोप लगाया कि 99 प्रतिशत सफाई कर्मचारी डीएससी समाज से आते हैं और सरकार खुद को इनका हितैषी बताकर असल में इनकी अनदेखी कर रही है। संघर्ष समिति ने मांग की है कि हाईकोर्ट के आदेशानुसार 31 दिसंबर 2025 तक के सभी कच्चे कर्मचारियों को बिना शर्त पक्का किया जाए। जींद घोषणा के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 26 हजार और शहरी क्षेत्रों के लिए 27 हजार रुपए मासिक वेतन एरियर सहित लागू हो। साथ ही सालाना 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी सुनिश्चित की जाए। ठेका प्रथा बंद कर 400 की आबादी पर एक सफाई कर्मचारी का पद सृजित कर पक्की भर्ती की जाए। ड्यूटी के दौरान मौत होने पर 50 लाख रुपए का बीमा, 30 लाख की अतिरिक्त सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। 100-100 गज के प्लॉट या 3 बीएचके फ्लैट की सुविधा, पुरानी पेंशन बहाली और बच्चों की शिक्षा में 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। निकाले गए कर्मचारियों को तुरंत काम पर वापस लिया जाए। श्रम कल्याण बोर्ड में सफाई कर्मचारियों का प्रतिनिधि शामिल हो। पुरानी पेंशन बहाल की जाए व सभी सफाई व सीवर कर्मचरियों को इसमें कवर किया जाए। महिला कर्मचारियों को ड्यूटी समय में छूट दी जाए। बेगार पर तत्काल रोक लगे। ऑनलाइन हाजिरी एवं अन्य उत्पीड़नात्मक प्रक्रियाएं बंद की जाएं। इस मौके पर ओम प्रकाश लॉट, वीरू रत्ती, अनिल चौहान, हरपाल सिंह सहित कई अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

मिस डेजर्ट राजस्थान जयपुर ऑडिशन में मॉडल्स ने बिखेरे जलवे

जयपुर(हिंस)। राजधानी जयपुर मिस डेजर्ट राजस्थान का दूसरा जयपुर ऑडिशन भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस ऑडिशन में पूरे राजस्थान से आई करीब अस्सी मॉडल्स ने भाग लिया और अपनी कला, आत्मविश्वास व टैलेंट का शानदार प्रदर्शन किया। शो के आयोजक नरेंद्र कुमार गंगवाल एवं अरुण कुमार सिंह ने बताया कि इस ऑडिशन में जयपुर के साथ-साथ भरतपुर, अलवर, अजमेर, फुलेरा, सीकर, झुंझुनू सहित राजस्थान के कई शहरों की प्रतिभाशाली लड़कियों ने हिस्सा लिया। आयोजकों के अनुसार आगे कोटा, उदयपुर और जोधपुर में भी ऑडिशन आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद मार्च में सेमीफाइनल और अप्रैल में जयपुर में ग्रैंड फिनाले आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता की विजेता को एक लाख रुपए का कैश प्राइज दिया जाएगा। इसके अलावा प्रतिभागियों को एल्बम सॉन्ग में लीड रोल और आने वाली शॉर्ट फिल्मों में काम करने का मौका भी मिलेगा। इस शो के माध्यम से राजस्थान की खूबसूरती, कला, वेशभूषा और संस्कृति को भी दर्शाया जाएगा। जिसकी झलक मंच पर साफ नजर आई। ऑडिशन में जज (जूरी मेंबर्स) के रूप में दीपक अग्रवाल, रजनीश जैन, रजनीश सिंह, अमित कुमार खंडेलवाल एवं पवन गोयल ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

सर्वाइकल कैंसर के जोखिम कम करने को कल से एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू

गुरुग्राम (हिंस)। सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को कम करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 फरवरी को राजस्थान के अजमेर से ह्यूमन पैपिलोमा वैक्सीन (एचपीवी) टीकाकरण अभियान का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ करेंगे। गुरुग्राम के नागरिक अस्पताल से इसकी शुरुआत की जाएगी। सिविल सर्जन डा. लोकवीर ने अभियान के शुभारंभ बारे गुरुवार को पत्रकार वार्ता में जानकारी दी। इस अवसर पर जिला में अभियान के नोडल अधिकारी एवं डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. जयप्रकाश राजलीवाल भी मौजूद रहे। डॉ. लोकवीर ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को कम करना है, जो भारत में महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है। ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) इसके प्रमुख कारणों में से एक है। विशेषकर इसके 16 और 18 प्रकार सर्वाधिक खतरनाक माने जाते हैं। सरकार द्वारा 6, 11, 16 और 18 प्रकारों से सुरक्षा प्रदान करने वाली वैक्सीन उपलब्ध कराई जा रही है।

किसानों से समन्वय कर उन्नत तकनीकों को खेतों तक पहुंचाएं कृषि वैज्ञानिक : शिवराज

वाराणसी (हिंस)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि किसानों से समन्वय बनाकर उन्नत तकनीकों को शीघ्र खेतों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों का खेत स्तर पर प्रभावी प्रसार, गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता, लागत घटाने वाली तकनीकें और बाजार से सीधा जुड़ाव किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। गुरूवार को वाराणसी दौरे पर आए केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान में समीक्षा बैठक के बाद वैज्ञानिकों व किसानों को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने संस्थान में चल रहे अनुसंधान एवं विकास कार्यों, उन्नत सब्जी किस्मों, बीज उत्पादन, संरक्षित खेती, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, मूल्य संवर्धन तथा उद्यमिता विकास से जुड़ी पहलों की सराहना की। बैठक के पूर्व उन्होंने अनुसंधान संस्थान परिसर में रक्त-चंदन के पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने आगामी रबी सत्र के लिए क्षेत्रवार कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती को देखते हुए सब्जी उत्पादन प्रणाली में अधिक लचीलापन लाना होगा। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों और शोध संस्थानों के मध्य समन्वय का एक प्रभावी माध्यम बताते हुए किसानों तक तकनीक हस्तांतरण की गति तेज करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उन्नत किस्मों का विकास, गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता, लागत घटाने वाली तकनीकों का प्रसार तथा किसानों को बाजार से सीधे जोड़ना उनकी आय वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। केंद्रीय मंत्री ने संस्थान को तकनीकों के त्वरित प्रसार, निर्यातोन्मुखी सब्जी प्रजातियों के विकास, स्टार्ट-अप एवं एफपीओ के साथ साझेदारी तथा युवाओं को कृषि-उद्यमिता से जोड़ने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. राजेश कुमार ने संस्थान की उपलब्धियों और किसानों के साथ किए जा रहे कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने सब्जी निर्यात को बढ़ावा देने के लिए किसानों को संसाधन और तकनीकी उपलब्ध कराने पर जोर दिया। आईसीएआर के सहायक महानिदेशक डॉ. सुधाकर पांडेय ने संस्थान की गतिविधियों पर संक्षिप्त जानकारी दी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रक्षेप (शोध के लिए चिन्हित भूमि) भ्रमण के दौरान मौजूद किसानों से बीजों की उपलब्धता, गुणवत्ता, उत्पादन लागत कम करने के उपायों तथा आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर चर्चा की। ग्राफ्टेड बैंगन-टमाटर (ब्रिमेटो) और आलू-टमाटर (पोमेटो) जैसी उन्नत तकनीकों पर वैज्ञानिकों ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। मंत्री ने इसकी सराहना करते हुए इन तकनीकों को किसानों तक शीघ्र उपलब्ध कराने पर बल दिया। उन्होंने हाई-टेक नर्सरी की उपयोगिता रेखांकित करते हुए एफपीओ के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण पौध एवं बीज उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। केंद्रीय मंत्री ने वैज्ञानिकों से टमाटर सहित अन्य सब्जियों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने, प्रसंस्करण योग्य किस्मों के विकास, निर्यातोन्मुखी उत्पादन तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान देने को कहा।

गृह मंत्री ने सीमा सुरक्षा प्रबंधन और वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम को लेकर की बैठक

अररिया (हिंस)। अपनी तीन दिवसीय दौरे के दूसरे दिन बिहार के अररिया में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने समाहरणालय स्थित परमान सभागार में भारत-नेपाल सीमा सुरक्षा प्रबंधन के साथ दूसरे चरण के वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम को लेकर समीक्षात्मक बैठक की। भारत-नेपाल सीमा सुरक्षा के तहत खुली सीमा का लाभ उठाकर होने वाली अवैध गतिविधियों और घुसपैठ को रोकने को लेकर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ सरहद की सुरक्षा में लगे सुरक्षा एजेंसी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सीमावर्ती इलाकों में बदलती आबादी के पैटर्न पर खुफिया एजेंसी के अधिकारियों के साथ चर्चा के साथ अवैध प्रवासियों और उनके माध्यम से बनाए जा रहे हैं वोट बैंक की पहचान को लेकर भी कड़े निर्देश दिए। गृह मंत्री अमित शाह ने वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के जरिए सीमावर्ती गांव में बुनियादी ढांचा मजबूत करने और पलायन रोकने जैसे मुद्दों पर अधिकारियों से राय लेते हुए चर्चा की। बिहार के सीमावर्ती गांवों के इंफ्रास्ट्रक्चर, संस्कृति, पर्यटन, जीवन और आर्थिक उन्नति को वाइब्रेंट कर रही है। मोदी सरकार के लिए सीमावर्ती गांवों की सुरक्षा और सर्वांगीण विकास को उन्होंने प्राथमिकता करार दिया। घुसपैठ मुक्त सीमांचल को लेकर अधिकारियों से सतर्कता बरतने और चिन्हित कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह के अलावे केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, बिहार सरकार के डिप्टी सीएम एवं गृह मंत्री सम्राट चौधरी, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, डीजीपी विनय कुमार, एसएसबी के डीजीपी समेत कई प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ एसएसबी के अधिकारी और सात सीमावर्ती जिलों के डीएम एसपी आदि मौजूद थे।

जोधपुर की असली ताकत है सदियों पुरानी *हथाई* : पासवान

जोधपुर (हिंस)। अपने कार्यकाल के अंतिम कार्य दिवस पर रात को पूर्व पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश पासवान शहर के भीतरी क्षेत्र स्थित गूंदी मोहल्ला, नवचौकिया पहुंचे, जहां शहर की परंपरा, संस्कृति और अपनत्व की अनोखी झलक देखने को मिली। स्थानीय लोगों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। होली के पावन पर्व पर शहर की पुरानी परंपरा अनुसार होली पर एक आयोजन होता है। उसमें पूर्व पुलिस कमिश्नर कार्यक्रम में पहुंचे। स्थानीय लोगों ने पूर्व पुलिस कमिश्नर द्वारा किए गए नवाचारों की भी खुलकर सराहना की। बीते दिनों में भीतर शहर के लिए शुरू की गई विभिन्न पहलों को लेकर आमजन में सकारात्मक चर्चा रही। उन्होंने कहा कि भीतरी शहर के माहौल से उन्होंने एक विशेष सीख और अनुभव प्राप्त किया है। यहां का अपनत्व लोगों को एक-दूसरे से जोड़े रखता है और यही इस शहर की सबसे बड़ी ताकत है। होली के अवसर पर विशेष फाग के श्लील गायन का आयोजन भी हुआ, जिसमें लागे तू फूटरी जैसे पारंपरिक गीतों की मधुर प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। पूर्व पुलिस कमिश्नर ने स्वयं भी इस लोक परंपरा का आनंद लिया और कहा कि रात के बारह बज चुके हैं, लेकिन यहां की ऊर्जा और उत्साह देखकर ऐसा बिल्कुल नहीं लगता कि इतनी देर हो गई है। यह अपने और अपनों के अपनत्व का शहर है। पुलिस कमिश्नर ओम प्रकाश ने बताया कि पहले भी हथाई पर चर्चा हो चुकी है, लेकिन आज का यह पल मेरे लिए बेहद भावुक और खास है। इसके पीछे जो सोच है, उससे मैं बहुत ज्यादा प्रभावित हूं। आज के दौर में अगर *हथाई* को समझना हो तो इसे इंटरनेट की तरह समझिए यह लोगों को जोड़ती है, भाईचारा कायम रखती है।

राजस्थान हाईकोर्ट : विवाहित महिलाएं भी सरकारी सेवाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण की हकदार

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने अपने रिपोर्टेबल निर्णय में कहा कि विवाहित महिलाएं भी सरकारी सेवाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण की हकदार है। उच्च न्यायालय ने महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता और नर्सिंग ऑफिसर नियमित भर्ती 2023 में आर्थिक पिछड़ा वर्ग प्रवासित विवाहित महिलाओं को ईडब्ल्यूएस आरक्षण सुनवाई पर यह निर्णय दिया। कोर्ट ने कहा कि अन्य राज्यों में जायी जन्मी लेकिन राजस्थान में विवाहित महिलाएं भी सरकारी सेवाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण की हकदार है। एकलपीठ निर्णय के विरुद्ध दायर राज्य सरकार की विशेष अपीलो को खारिज कर दिया अहम आदेश दिए गए। डीडवाना (नागौर) निवासी याचिकाकर्ता पुनीता रानी और झालावाड़ निवासी रीना कुंवर राजपूत की ओर से अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने अलग अलग रिट याचिकाएं दायर कर बताया कि चिकित्सा विभाग द्वारा महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 3384 पदों के लिए विज्ञप्ति दिनांक 19 मई 2023 जारी की गई एवं नर्सिंग ऑफिसर के 6981 पदो के लिए विज्ञप्ति 05 मई 2023 जारी की गई, जिसमे आर्थिक कमजोर वर्ग/ ईडब्ल्यूस वर्ग के लिए 10 प्रतिशत पदों का आरक्षण किया गया। याची पुनीता रानी ने महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता पद के लिए और रीना कुंवर राजपूत ने नर्सिंग ऑफिसर पद के लिए ईडब्ल्यूएस वर्ग में अपना आवेदन किया। चयन प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद जारी अंतरिम चयन सूची में याचीगण को चयनित किया गया लेकिन अंतिम चयन सूची से उनका नाम यह कहते हुए हटा दिया गया कि वह जन्मजात राजस्थान से बाहर अन्य राज्यों यथा हरियाणा/ मध्यप्रदेश की होने और शादी राजस्थान में हो जाने से वह ईडब्ल्यूएस वर्ग आरक्षण की हकदार नहीं है। इसे लेकर अलग अलग रिट याचिका के मार्फत चुनोती दी गयी। रिट याचिका में बताया गया कि याचिकाकर्ता का जन्म अन्य राज्य में हुआ और उनकी शादी राजस्थान के मूल निवासी से होने के बाद वे राजस्थान के मूल निवासी हो चुकीं है। विवाह पश्चात से ही वह राजस्थान में ही निवासरत है।

भाजपा की क्षेत्रीय वक्ताओं ने कार्यशाला में संगठनात्मक मजबूती पर दिया जोर

कटिहार (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान क्षेत्रीय वक्ता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज और अररिया जिलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तेल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर वंदे मातरम और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश महामंत्री राधा मोहन शर्मा, कार्यशाला के प्रभारी स्वदेश यादव, जिला प्रभारी प्रफुल्ल रंजन वर्मा और प्रदेश उपाध्यक्ष अनामिका पासवान शामिल हुए। कार्यशाला में मुख्य वक्ता राधा मोहन शर्मा ने कहा कि एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में ऐसे प्रेरणादायी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल होकर न केवल संगठनात्मक विचारों को समझने का अवसर मिलता है, बल्कि कार्यशैली को और अधिक प्रभावी बनाने का अवसर मिलता है। कार्यशाला में उपस्थित सभी वक्ताओं ने अपने-अपने संबोधन में प्रशिक्षण के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को उनके आदर्शों को संगठन की शक्ति को कार्यकर्ताओं में स्थापित करने की बात कही। संगठनात्मक मजबूती और विस्तार पर विशेष जोर दिया गया, साथ ही बूथ स्तर तक प्रभावी कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के विषय पर भी मार्गदर्शन दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि एकात्म मानववाद के सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए, अंतिम व्यक्ति तक सेवा और विकास पहुंचाने का लक्ष्य हमारा संकल्प है।

फागोत्सव में गाई होरियां, श्याम भक्ति के रंग में रंगे शहरवासी

जोधपुर(हिंस)। बाईजी का तालाब स्थित मुख्य व प्राचीन मंदिर श्री विश्वकर्मा मंदिर में श्री विश्वकर्मा जांगिड़ पंचायत एवं श्री विश्वकर्मा मंदिर कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में श्री पंचायत के अध्यक्ष वासुदेव बुढल, मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुरेश शर्मा, संरक्षक रामेश्वरलाल हर्षवाल की मेजबानी में फागोत्सव का आयोजन हुआ। मंदिर कमेटी के सचिव एडवोकेट हरीश जांगिड़ ने बताया कि इस दौरान भजन व होरी गायकों द्वारा मनमोहक होरियां प्रस्तुत की गई तो राधाकृष्ण बने आयुष्मान जांगिड़ व छवि जांगिड के साथ भक्त पुष्प होली खेलते हुए व थिरकते हुए आनंद और उन्माद के साथ श्याम भक्ति के रंग में सराबोर नजर आए। इस मौके श्री पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ज्योतिस्वरुप धनेरवा, उपाध्यक्ष सोनाराम बुढल, कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र भाकरेचा, पूर्व अध्यक्ष रमेश प्रकाश शर्मा, मंदिर कमेटी के गोपीकिशन जांगिड़, मिश्रीलाल कुलरिया, हुकमाराम झिलोया, रामदेव जांगिड़, कालूराम बरड़वा और समाज के गणमान्य लोग, मातृशक्ति व अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। वहीं लघु उद्योग भारती महिला इकाई द्वारा एक दिवसीय फागोत्सव कार्यक्रम आज भवन सभागार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महिला इकाई अध्यक्ष मोना हरवानी ने बताया कि कार्यक्रम मे उपस्थित सभी महिलाओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर एवं पुष्प वर्षा कर होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम मे कोषाध्यक्ष शिल्पा अग्रवाल व उपाध्यक्ष नलिनी बंसल ने राधा-कृष्ण का स्वरूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। उनके आकर्षक प्रस्तुतिकरण से पूरा सभागार कृष्ण भक्ति और फाल्गुनी रंगो से सराबोर हो गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मंजू सारस्वत, प्रान्त सचिव मीनू दूगड, सचिव कंचन लोहिया, ममता मनानी, निधिसिह, मीनाक्षी हर्ष, मधु विश्नोई, स्वाति शर्मा अरूणा राठी अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। सचिव कंचन लोहिया ने सभी का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया।

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में आएगी टाटा सिएरा ईवी

नई दिल्ली

फ्यूचरिस्टिक एसयूवी टाटा सिएरा ईवी वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बाजार में आएगी। इससे पहले टाटा केवल इतना संकेत देती रही थी कि सिएरा ईवी अगले साल कभी भी लान्च हो सकती है, लेकिन अब पहली बार इसकी लान्चिंग को लेकर स्पष्ट समयरेखा सामने आ गई है।

फिलहाल कंपनी ने सिएरा ईवी के आधिकारिक स्पेसिफिकेशन्स को गोपनीय रखा है और सिर्फ कुछ स्पाई शाट्स ही सार्वजनिक हुए हैं। आटो सेक्टर की रिपोर्टों के अनुसार इसका प्लेटफार्म, पावरट्रेन और कई तकनीकी तत्व कर्व ईवी के साथ साझा किए जा सकते हैं, हालांकि फीचर्स, स्पेस और प्रीमियम अपील के मामले में सिएरा को कर्व ईवी से ऊपर पोजिशन किया जाएगा। इंडस्ट्री विशेषज्ञ मान रहे हैं कि नई पंच ईवी की एडवांस्ड बैटरी टेक्नोलाजी को देखते हुए, सिएरा ईवी में भी बड़ा बैटरी पैक और बेहतर रियल-वर्ल्ड रेंज मिलने की पूरी संभावना है, जिससे यह मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में मजबूत दावेदार बन सकती है। सिएरा ईवी भारत में टाटा की सातवीं इलेक्ट्रिक कार होगी, जिससे कंपनी का ईवी पोर्टफोलियो और अधिक व्यापक हो जाएगा। टाटा पहले ही देश में सबसे बड़े इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं में शामिल है, और सिएरा ईवी उसके इलेक्ट्रिक बदलाव को नई दिशा दे सकती है।

इंटीरियर की बात करें तो इसमें ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप मिलने की उम्मीद है, जिसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, बड़ा इंफोटेनमेंट डिस्प्ले और पैसेंजर के लिए अलग स्क्रीन शामिल होगी। बेस माडल से ही इसे फीचर-रिच बनाने की योजना है।

एसयूवी कुशाक फेसलिफ्ट का उत्पादन चाकन प्लांट में शुरू

नई दिल्ली। अपनी अपडेटेड एसयूवी कुशाक फेसलिफ्ट का उत्पादन स्कोडा कंपनी ने पुणे के चाकन प्लांट में शुरू कर दिया है। यह कंपनी के 2026 के बड़े प्रोडक्ट मिशन की पहली बड़ी शुरुआत मानी जा रही है इस माडल को भारतीय सड़कों और उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कंपनी ने घोषणा की है कि इसकी डिलीवरी मार्च 2026 से शुरू होगी। नई कुशाक में इस बार कई अहम और ग्राहक-केंद्रित बदलाव किए गए हैं, जिनमें से कुछ फीचर्स इसे अपने सेगमेंट में और भी खास बनाते हैं। एसयूवी में सेगमेंट का पहला रियर सीट मसाज फंक्शन दिया गया है, जो इसे प्रीमियम एहसास देता है। साथ ही ग्राहकों की मांग पर इसमें पैनोरमिक सनरूफ जोड़ी गई है, जिससे केबिन पहले की तुलना में अधिक खुला और लक्जरी अनुभव प्रदान करता है। हालांकि, स्कोडा ने फिर भी इसमें अडास फीचर्स शामिल न करने का निर्णय लिया है, जो तकनीक पसंद करने वाले खरीदारों के लिए थोड़ी निराशा का कारण बन सकता है। परफार्मेंस के मामले में कंपनी ने बड़ा बदलाव किया है और इस बार कुशाक 8-स्पीड टार्क कन्वर्टर आटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आएगी, जिससे ड्राइविंग अनुभव और भी स्मूथ और रिफाइंड हो जाएगा। सेफ्टी के मोर्चे पर यह एसयूवी पहले की तरह मजबूत बनी हुई है और इसमें 40 से अधिक एक्टिव व पैसिव सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं। इसके साथ ही, नई कुशाक अपनी 5-स्टार ग्लोबल एनकैप रेटिंग को भी बरकरार रखे हुए है। भारत स्कोडा के लिए अब एक प्रमुख एक्सपोर्ट हब बन चुका है।

न्यूज ब्रीफ

पीयूष गोयल ने वैश्विक व्यापार और युवा शक्ति को भारत की विकास यात्रा की कुंजी बताया

मुंबई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने 38 देशों के थ नौ मुक्त व्यापार समझौते पूरे किए हैं। इन समझौतों से भारतीय व्यवसायों को वैश्विक व्यापार के दो-तिहाई हिस्से तक प्राथमिकता के साथ पहुंच मिली है। गोयल ने कहा कि इससे भारतीय वस्तुएं, सेवाएं, कृषि एवं मत्स्य उत्पाद और श्रम-प्रधान क्षेत्र नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से बेहतर जुड़ पाएगा। मुंबई में आयोजित ईवाय इंटरपेन्योर आफ द ईयर अवार्ड के 27वें संस्करण में संबोधित करते हुए बताया कि आत्मनिर्भर भारत का अर्थ वैश्विक जुड़ाव के साथ मजबूत और भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाएं तैयार करना है। उन्होंने उद्योगपतियों और उद्यमियों से अपील की कि वे वैश्विक अवसरों को एमएसएमई, किसानों, निर्यातकों और मछुआरों तक पहुंचाएं। गोयल ने कहा कि भारत की युवा शक्ति और कुशल मानव संसाधन देश की विकास गाथा के केंद्र में हैं। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों और उद्योग नेताओं से बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि जुनून, नवाचार और प्रतिभा भारत की सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी ताकत हैं। एआई पर उठ रही चिंताओं के संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा बल्कि बदल देगा। भारत हर साल लगभग 23 लाख एसटीईएम स्नातक तैयार करता है, जिससे युवाओं का बड़ा और अनुकूलनशील प्रतिभा भंडार तैयार है। गोयल ने कहा कि एआई भारतीय व्यवसायों के लिए नए अवसर, मूल्यवर्धित काम, मजबूत निर्यात और वैश्विक एकीकरण लाएगा। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और सिस्टम गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी।

सरकारी खर्च से पावर सेक्टर में तेजी, निजी उद्योग अब भी सुस्त

नई दिल्ली। देश में पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) की रफ्तार इस समय दो अलग तस्वीरें पेश कर रही है।

एक ओर पावर ट्रांसमिशन से जुड़ी हाई वोल्टेज कंपनियां रिकार्ड प्रदर्शन कर रही हैं, वहीं गैर-विद्युत औद्योगिक कंपनियों की चाल अब भी धीमी बनी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार ट्रांसमिशन और वितरण कंपनियों के नए आर्डर में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बिक्री 39 प्रतिशत बढ़ी है। इन कंपनियों का मुनाफा मार्जिन बढ़कर 20.3 प्रतिशत पर पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष से 5.4 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने 2022 से 2032 के बीच ट्रांसमिशन क्षेत्र में 9.15 लाख करोड़ रुपये निवेश की योजना बनाई है। इसके तहत 8 से 10 बड़े हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन कारिडोर विकसित किए जाएंगे। तीन कारिडोर के लिए उपकरणों का काम पहले ही तय हो चुका है। अनुमान है कि 2027 से नए आर्डर में और तेजी आएगी तथा 2030 तक मांग मजबूत बनी रह सकती है। वित्त वर्ष 2027 के बजट में 12.2 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च का प्रावधान किया गया है, जो पहले के अनुमान से 12 प्रतिशत अधिक है।

एआई फिल्म निर्माण की दिशा और दशा दोनों बदल देगीः शेखर कपूर

नई दिल्ली। प्रख्यात फिल्मकार शेखर कपूर का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आने वाले

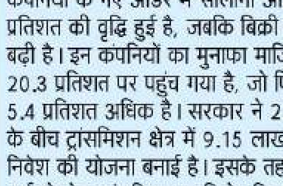

समय में फिल्म निर्माण की दिशा और दशा दोनों बदल देगी। नई दिल्ली के भारत मंडपम में हाल ही में आयोजित बीएस मंथन कार्यक्रम में एआई के दौर में सिनेमा विषय पर उन्होंने कहा कि भविष्य में फिल्में केवल निर्देशक की सोच तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि दर्शक और एआई मिलकर कहानी रचेंगे। मासूम, मिस्टर इंडिया और बैंडिट क्वीन जैसी चर्चित फिल्मों के निर्देशक कपूर ने कहा कि एआई फिल्मकारों को सशक्त बनाएगी। उनका कहना था कि जहां पारंपरिक तरीके से एक फिल्म बनाने में उन्हें लगभग तीन साल लगते हैं, वहीं एआई की मदद से सीमित संसाधनों में भी दो दिन के भीतर फिल्म बनाई जा सकती है। इससे उन रचनाकारों को अवसर मिलेगा, जिनके पास बड़े बजट या संसाधन नहीं हैं। कपूर ने बताया कि उनकी साइंस-फिक्शन वेब सीरीज वारलार्ड का निर्माण पारंपरिक तरीकों के बजाय एआई तकनीक की सहायता से किया गया है। उन्होंने कहा कि सैकड़ों करोड़ रुपये के बजट के दौर में एआई फिल्म निर्माण को अधिक लोकतांत्रिक और सुलभ बना सकती है। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि एआई में मानवीय सहज बोध जैसी क्षमता नहीं है और अप्रत्याशित परिस्थितियों में इसकी सीमाएं स्पष्ट हो सकती हैं। फिर भी उनका विश्वास है कि भविष्य में एआई और दर्शकों के संवाद से फिल्में अपनी दिशा तय करेंगी और कहानी दर्शकों की पसंद के अनुसार बदलती नजर आएगी।

भारत में पर्यटन उद्योग में तेजी, भविष्य में बनेगा वैश्विक खिलाड़ी

हर साल हो रही हैं 303 करोड़ घरेलू यात्राएं, पर्यटकों के लिए कम पड़ रहे हैं होटल

नई दिल्ली

भारत में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है और यह अब केवल सेक्टर नहीं, बल्कि पूरी इंडस्ट्री बन चुकी है। विदेशी और घरेलू दोनों तरह के पर्यटन में वृद्धि हो रही है, जिससे होटलों की मांग बढ़ रही है और उनकी कीमतें भी महंगी होती जा रही हैं। वर्तमान में पर्यटन उद्योग का भारत के जीडीपी में योगदान 5 फीसदी है, जबकि 2047 तक यह 10 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। इसी अवधि में केवल पर्यटन इंडस्ट्री में 200 मिलियन रोजगार मिलने की संभावना है।

दिल्ली के द्वारका में आयोजित एसएटीटीई 2026 (साउथ एशिया ट्रेवल एंड टूरिज्म एक्सचेंज) में 60 से अधिक देशों के 2000 से अधिक प्रदर्शक और 3200 से अधिक ब्रांड हिस्सा ले रहे हैं। इस साल की थीम थी एन ओर्व्च्युनिटी काल इंडिया आयोजन में अजीत बजाज, अध्यक्ष, एडवेंचर टूर आपरेटर्स एसोसिएशन आफ इंडिया और पद्मश्री पुरस्कार विजेता ने पर्यटन के तेजी से बढ़ते क्षेत्र की जानकारी दी। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत आने वाले समय में वैश्विक पर्यटन का सबसे बड़ा खिलाड़ी बनेगा। इन्फार्मा मार्केट्स इन इंडिया के एक अधिकारी के अनुसार भारत का पर्यटन क्षेत्र ट्रिपल इंजन ग्रोथ पर बढ़ रहा है- घरेलू, आउटबाउंड और इनबाउंड। हर साल देश में 303 करोड़ से अधिक घरेलू यात्राएं हो रही हैं, और भारतीयों का विदेश यात्रा खर्च 42 अरब डालर तक पहुँचने का अनुमान है। अनुभव आधारित, आध्यात्मिक और क्षेत्रीय पर्यटन के कारण टियर-2 और टियर-3 शहरों में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि भारत का पर्यटन केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि लोगों में निहित है। यात्रियों को अनुभव और जुड़ाव चाहिए और भारत इसे सबसे बेहतर रूप में प्रदान करता है। 2027 तक भारत का ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर 125 अरब डालर के घरेलू बाजार की ओर बढ़ रहा है।

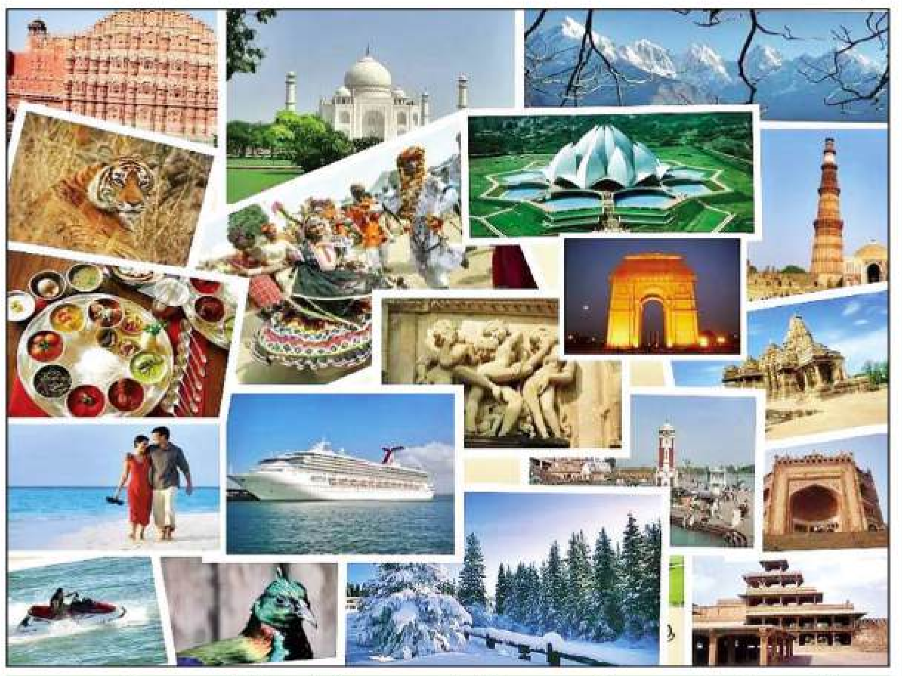

मारुति सुजुकी जिम्नी के एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मारुति सुजुकी जिम्नी आफ-रोड एसयूवी ने अपनी पहचान मजबूती से स्थापित कर ली है। मारुति सुजुकी ने जिम्नी के एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की है, जिससे यह माडल एक बार फिर वैश्विक चर्चा का केंद्र बन गया है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, जहां पिछले साल केवल 1,958 यूनिट्स निर्यात किए गए थे, वहीं इस साल यह आंकड़ा बढ़कर 7,970 यूनिट्स तक पहुंच गया है, जो किसी भी माडल के लिए बेहद बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। जिम्नी की अंतरराष्ट्रीय सफलता के पीछे इसकी अनोखी खूबियां हैं। काम्पैक्ट लेकिन दमदार डिजाइन, 4गुणा4 आफ-रोड क्षमता, हल्की बाडी और भरोसेमंद परफार्मेंस इसे एडवेंचर पसंद करने वालों की पहली पसंद बनाते हैं। कई देशों में काम्पैक्ट और हार्डकोर आफ-रोड एसयूवी की मांग लगातार बढ़ रही है, और जिम्नी इस कमी को पूरी तरह पूरा कर रही है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड भारत में जिम्नी का निर्माण कर उसे लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और अन्य वैश्विक बाजारों में निर्यात कर रही है। इससे भारत सुजुकी के लिए एक बड़े मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट हब के रूप में उभरा है, जहां तैयार होने वाले माडल विदेशी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। हालांकि, घरेलू बाजार में जिम्नी की बिक्री उतनी मजबूत नहीं है। भारत में एसयूवी सेगमेंट में कड़ी प्रतिस्पर्धा है, जहां ग्राहक अधिक फीचर्स, ज्यादा स्पेस और बेहतर वैल्यू की उम्मीद करते हैं। जिम्नी की आफ-रोड क्षमता उसकी सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन रोजमर्रा की शहरी जरूरतों के हिसाब से कई खरीदार अन्य विकल्पों की ओर रुख कर लेते हैं। इसके बावजूद, एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की छलांग यह साफ संकेत देती है कि जिम्नी का ग्लोबल क्रेज अभी भी बरकरार है।

भारतीय रेलवे 1 मार्च से बंद कर रहा यूटीएस ऐप, रेलवन ऐप बनेगा नया विकल्प

नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने घोषणा की है कि यूटीएस ऐप (अनरिजर्वड टिकटिंग सिस्टम) को 1 मार्च से बंद कर दिया जाएगा। वर्तमान में यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित टिकट, प्लेटफार्म पास और सीजन टिकट बुक करने की सुविधा देता है। यूटीएस ऐप बंद होने के बाद यात्री इन सेवाओं के लिए इसे इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे।

रेलवे ने इसके स्थान पर रेलवन ऐप लान्च किया है। यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित और रिजर्वेशन टिकट, प्लेटफार्म पास, सीजन टिकट और अन्य रेलवे सेवाओं का उपयोग एक ही प्लेटफार्म से करने की सुविधा देता है। रेलवन ऐप का इंटरफ़ेस सरल और यूज़र फ्रेंडली है, जिससे नए और

बदल जाएगा आनलाइन अनारक्षित टिकट बुक करने का तरीका

मौजूदा दोनों तरह के यात्री इसका लाभ उठा सकते हैं। यात्रियों को नया अकाउंट बनाने की आवश्यकता नहीं है। यूटीएस और आईआरसीटीसी लागिन की मदद से सीधे साइनअप किया जा सकता है।

ऐप दोनों एंड्राइड और आईओएस प्लेटफार्म पर उपलब्ध है और इसे निशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। भारतीय रेलवे यात्रियों को कैशलेस यात्रा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रेलवन ऐप से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों पर 3 फीसदी की छूट दे रहा है। यह आफ़र 14 जनवरी से 14 जुलाई तक मान्य है। यात्री यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और डिजिटल वालेट के जरिए इसका लाभ ले सकते हैं।

इसुझु वी-क्रास को नए अपडेटेड 2026 माडल के साथ लान्च

नई दिल्ली। इसुझु ने अपनी लोकप्रिय इसुझु वी-क्रास को नए अपडेटेड 2026 माडल के साथ लान्च कर दिया है। नए माडल में बड़े मैकेनिकल बदलाव भले ही न किए गए हों, लेकिन डिजाइन, फीचर्स और फंक्शनैलिटी के महत्वपूर्ण अपडेट इसे और आकर्षक बनाते हैं। इस बार कंपनी ने सबसे बड़ा बदलाव यह किया है कि इसुझु वी-क्रास के हर वैरिएंट को स्टैंडर्ड 4गुणा4 सिस्टम के साथ पेश किया गया है। 4गुणा2 वर्जन को बंद कर दिया गया है, जिससे साफ संकेत मिलता है कि कंपनी इसे एक हार्डकोर आफ-रोड लाइफस्टाइल व्हीकल के रूप में स्थापित करना चाहती है। आटो-लाकिंग डिफरेंशियल के साथ मिलने वाला 4डब्ल्यूडी सिस्टम इसकी असली आफ-रोड क्षमता को मजबूत बनाता है। डिजाइन की बात करें तो फ्रंट प्रोफाइल में नए ब्लैक्ड-आउट ग्रिल, रीवर्क्ड बंपर, एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप्स और नए 18-इंच अलाय व्हील्स दिए गए हैं। साइड बाडी क्लैडिंग हटाए जाने के बाद इसका लुक अब और ज्यादा क्लीन और माडर्न दिखता है। कैबिन में भी कई तकनीकी अपडेट किए गए हैं। इसमें 10.3-इंच का नया टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रायड आटो और एप्पल कारप्ले, 360-डिग्री कैमरा, टीपीएमएस और 8-स्पीकर साउंड सिस्टम जैसे फीचर्स शामिल हैं। इससे यह पिकअप अब सिर्फ पावरफुल नही, बल्कि फीचर-रिच भी हो गई है।

सोने का भाव 600 से ज्यादा टूटा, चांदी में 4,000 की गिरावट

वैश्विक बाजार में भी कीमती धातुओं के भाव कमजोर

नई दिल्ली

कीमती धातुओं के वायदा बाजार में गुरुवार को सुस्ती का माहौल देखने को मिला। घरेलू स्तर पर मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना और चांदी दोनों गिरावट के साथ खुले और कारोबार के दौरान भी दबाव में रहे। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कान्ट्रैक्ट 615 रुपये की गिरावट के साथ 1,60,530 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। पिछला बंद भाव 1,61,145 रुपये था। इस समय यह 468 रुपये की नरमी के साथ 1,60,677 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

सत्र के दौरान सोने ने 1,60,745 रुपये का उच्च और 1,60,516 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस वर्ष सोना 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुका है। चांदी का बेंचमार्क मार्च कान्ट्रैक्ट 4,016 रुपये टूटकर 2,64,300 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। पिछला बंद भाव 2,68,316 रुपये था। कारोबार के दौरान यह 3,516 रुपये की गिरावट के साथ 2,64,800 रुपये पर रहा। चांदी ने दिन में 2,64,930 रुपये का उच्च और 2,62,892 रुपये का निचला स्तर दर्ज किया। इस साल चांदी 4,20,048 रुपये प्रति किलो के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुकी है। वैश्विक बाजार में भी रुख कमजोर रहा। कामेक्स पर सोना 5,175.30 डालर प्रति औंस पर खुला, जो पिछले बंद 5,226.20 डालर से कम है। बाद में यह करीब 25 डालर गिरकर 5,201.20 डालर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। चांदी 88.92 डालर पर खुली और घटकर 88.68 डालर प्रति औंस के आसपास रही। विशेषज्ञों के अनुसार डालर की मजबूती और मुनाफावसूली से कीमती धातुओं पर दबाव बना हुआ है।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में मिलाजुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स में फिलहाल गिरावट का रुख बना हुआ है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में मिलाजुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

टेक शेयरों में आई तेजी के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा, जिससे वाल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.81 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,946.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 284.59 अंक यानी 1.24 प्रतिशत उछल कर 23,148.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 49,439.75 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी टेक शेयरों में आए उछाल के कारण पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 125.82 अंक यानी 1.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,806.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,559.07 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 189.69 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,175.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशिया में मिलाजुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,271.48 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 118.72 अंक यानी 0.44 प्रतिशत टूट कर 26,647 अंक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत लुढ़क कर 4,997.89 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,144.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,648 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 35,493.43 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 125.27 अंक यानी 2.06 प्रतिशत उछल कर 6,209.13 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.92 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,529.97 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 231.88 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 58,815 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

72वीं सीनियर नेशनल्स मेन्स कबड्डी चैंपियनशिप : दूसरे दिन हरियाणा, यूपी, दिल्ली और तमिलनाडु की धमाकेदार जीत

वडोदरा

वडोदरा के समा इंडोर काम्प्लेक्स में चल रही 72वीं सीनियर नेशनल्स मेन्स कबड्डी चैंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन रोमांचक और एकतरफा मुकाबलों का शानदार मिश्रण देखने को मिला। पूल चरण में नाकआउट की दौड़ तेज हो गई है और हर अंक अब अहम साबित हो रहा है।

पूल ए: आंध्र की रोमांचक जीत, हरियाणा का दमदार प्रदर्शन – पूल ए के सबसे करीबी मुकाबले में आंध्र प्रदेश ने तेलंगाना को 47–45 से हराया। पोटला गोपी चंद (17 अंक) और गली लक्ष्मा रेड्डी (10 अंक) ने जीत में अहम भूमिका निभाई, जबकि तेलंगाना के जी राजू ने 20 अंक जुटाए।

इसी पूल में हरियाणा ने तेलंगाना को 49–18 से एकतरफा अंदाज में हराया। नीरज नरवाल ने 11 अंक, नितिन कुमार ने 9 अंक बनाए, जबकि सुरजीत सिंह और नितेश कुमार ने 4-4 टैकल अंक लेकर रक्षा मजबूत की।

पूल बी: मध्य प्रदेश की आखिरी पलों में बाजी – पूल बी में मध्य प्रदेश ने गोवा को 35–34 से रोमांचक मुकाबले में हराया। भवानी राजपूत (14 अंक) और उदय परते (9 अंक) ने अहम योगदान दिया।

पूल सी: तमिलनाडु और हिमाचल की बड़ी जीत – तमिलनाडु ने विदर्भ को 40–21 से हराकर अपना मजबूत अभियान जारी रखा। सतीश कन्नन ने 8 अंक बनाए, जबकि दीपक एस ने 8 टैकल अंक लेकर रक्षा की कमान संभाली। हिमाचल प्रदेश ने गुजरात को 51–34 से 17 अंकों के अंतर से हराया। अनिल ने 14 अंक जुटाए, जबकि पप्पू कमल कुमार और मयंक सैनी ने बढ़िया साथ दिया।

पूल डी: उत्तर प्रदेश की रिकार्डतोड़ जीत – उत्तर प्रदेश ने मणिपुर को 70–33 से हराकर टूर्नामेंट की अब तक की सबसे बड़ी जीतों में से एक दर्ज की। उदय डबास ने 25 अंकों का शानदार प्रदर्शन किया, जबकि सौरभ ने 12 अंक जोड़े। यूपी ने 53 रेड अंक और 8 आल-आउट के साथ मुकाबले पर पूरी तरह कब्जा जमाया।

पूल एफ और एच: केरल और दिल्ली का जलवा – केरल ने छत्तीसगढ़ को 45–30 से हराया। नंदू टी (11 अंक) और आदित्यन (10 अंक) ने संतुलित प्रदर्शन किया। पूल एच में दिल्ली ने त्रिपुरा को 64–42 से मात दी। आशीष ने 18 अंक और हिमांशु सिंह ने 14 अंक बनाए।

न्यूज़ ब्रीफ

चैंपियंस लीग में विनीसियस का कमाल, रियल मैड्रिड ने बेनफिका को हराकर अंतिम-16 में बनाई जगह

मैड्रिड। 15 बार के यूरोपीय चैंपियन रियल मैड्रिड ने शानदार वापसी करते हुए बेनफिका को 2–1 से हराया और कुल 3–1 की बढ़त के साथ यूईएफए चैंपियंस लीग के अंतिम–16 में प्रवेश कर लिया। सैंटियागो बर्नब्यू में खेले गए रोमांचक मुकाबले में विनीसियस जूनियर ने निर्णायक गोल कर टीम को जीत दिलाई। पहले चरण में 1–0 से पीछे चल रही बेनफिका ने आक्रामक शुरुआत की और 14वें मिनट में राफा सिल्वा के गोल से बढ़त बना ली। गोलकीपर थिबाउट कोर्टुआ ने पहले शानदार बचाव किया, लेकिन रिबाउंड पर राफा ने गेंद को जाल में पहुंचा दिया। हालांकि, रियल मैड्रिड ने तुरंत जवाब दिया। दो मिनट बाद फेडेरिको वाल्वेर्दे के पास पर औरेलियन त्चौआमेनी ने सटीक शाट लगाकर स्कोर 1–1 कर दिया। मुकाबला बराबरी पर आने के बाद दोनों टीमों के बीच तेज टक्कर देखने को मिली। 32वें मिनट में आर्डा गुलर ने गोल किया, लेकिन वीएआर ने आफसाइड करार देते हुए उसे रद्द कर दिया। पहले हाफ के अंत तक बेनफिका ने भी कई मौके बनाए, लेकिन कोर्टुआ ने शानदार बचाव कर टीम को मैच में बनाए रखा। दूसरे हाफ में रियल ने लय पकड़ी। 60वें मिनट में एक चूक के बाद राफा सिल्वा का जोरदार शाट क्रासबार से टकराया, जिससे रियल को बड़ा झटका लगते–लगते बचा। निर्णायक क्षण 80वें मिनट में आया, जब वाल्वेर्दे ने मिडफील्ड से सटीक पास दिया। विनीसियस जूनियर ने आफसाइड ट्रैप को भेदते हुए बाक्स में प्रवेश किया और शांत दिमाग से गेंद को निचले कोने में पहुंचाकर स्कोर 2–1 कर दिया। इसी के साथ मुकाबले का फैसला हो गया। मैच के बाद त्चौआमेनी ने कहा, हमने शुरुआत अच्छी नहीं की, लेकिन हमें भरोसा था कि गोल मिलेंगे। मैच के साथ हमने बेहतर प्रदर्शन किया। रक्षा में थोड़े सुधार की जरूरत है, लेकिन जीत सबसे अहम है।

रणजी ट्राफी फाइनल : जम्मू-कश्मीर 584 रन पर आलआउट, कर्नाटक के सामने बड़ी चुनौती

हुब्बली। राज्य के हुब्बली स्थित केएससीए स्टेडियम में खेले जा रहे रणजी ट्राफी फाइनल मुकाबले में

जम्मू और कश्मीर क्रिकेट टीम ने तीसरे दिन पहली पारी में 584 रन बनाकर मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। कर्नाटक के सामने जीतने के लिए बड़ा लक्ष्य चुनौतीपूर्ण है। टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जम्मू कश्मीर की टीम ने ठोस प्रदर्शन किया। ओपनर यावर हसन ने 88 रन की उपयोगी पारी खेली। तीसरे नंबर पर उतरे शुभम पुंडीर ने शानदार 121 रन बनाकर पारी को मजबूती दी। कप्तान परस डोगरा ने 70 रन का योगदान दिया, जबकि अब्दुल समद ने 61 रन जोड़े। विकेटकीपर बल्लेबाज कनहैया वाधवन ने 70 रन बनाए और साहिल लोटरा ने 78 रन की अहम पारी खेली। इस तरह जम्मू-कश्मीर की पूरी टीम 584 रन पर आलआउट हो गई। कर्नाटक की ओर से तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 34.1 ओवर में 98 रन देकर 5 विकेट झटके। हालांकि अन्य गेंदबाजों को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी, जिससे विरोधी टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में सफल रही। जम्मू-कश्मीर की पारी समाप्त होने के बाद कर्नाटक क्रिकेट टीम ने अपनी पहली पारी शुरू कर दी है। मुकाबले का तीसरा दिन जारी है। कर्नाटक के लिए पहली पारी में बढ़त हासिल करना जरूरी है। नियमों के अनुसार यदि फाइनल मुकाबला ड्रा रहता है तो पहली पारी में बढ़त लेने वाली टीम को चैंपियन घोषित किया जाएगा। ऐसे में कर्नाटक को खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए 585 रन तक पहुंचना या उससे आगे निकलना अनिवार्य होगा।

मनुष-मानव की जोड़ी सिंगापुर स्मैश के सेमीफाइनल में पहुंची, रचा इतिहास

सिंगापुर। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों मनुष शाह और मानव ठक्कर की जोड़ी ने इतिहास रचते हुए

सिंगापुर स्मैश के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वे विश्व टेबल टेनिस के ग्रैंड स्मैश स्तर की प्रतियोगिता में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बन गए हैं। छठी वरीयता प्राप्त मनुष–मानव की जोड़ी ने बेल्जियम के मार्टिन एलेग्रो और एड्रियन रासेनफासे को सीधे गेमों में 3–0 (11–8, 11–9, 11–9) से पराजित किया। यह मुकाबला 27 मिनट तक चला। भारतीय जोड़ी ने बेल्जियम की इस जोड़ी के खिलाफ अपना आमना-सामना रिकार्ड 2–0 कर लिया। उल्लेखनीय है कि बेल्जियम की जोड़ी ने क्वार्टरफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को हराकर जगह बनाई थी। सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी का मुकाबला फ्रांस के चौथी वरीयता प्राप्त सगे भाई फेलिक्स लेब्रून और एलेक्सिस लेब्रून से शुक्रवार को होगा।

पिता को खोया, चोट से लड़ी, परिवार का सहारा बनीं, ब्यूटी डुंगडुंग की प्रेरक और संघर्षपूर्ण है कहानी

नई दिल्ली

महज 22 वर्ष की उम्र में भारतीय महिला हाकी टीम की फारवर्ड ब्यूटी डुंगडुंग अपने कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी उठाए हुए हैं। इस समय वह बेंगलुरु में भारतीय महिला हाकी टीम के राष्ट्रीय शिविर में पसीना बहा रही हैं, लेकिन मैदान पर वापसी उनके जीवन की सबसे कठिन लड़ाई रही है। साल 2023 में घुटने की गंभीर चोट के कारण उन्हें लगभग दो वर्षों तक पुनर्वास से गुजरना पड़ा। इस दौरान वह लगातार यह सोचती रहीं कि क्या वह दोबारा भारत के लिए खेल पाएंगी। लेकिन मैदान की शारीरिक पीड़ा से भी बड़ा दुख उन्हें निजी जीवन में झेलना पड़ा–चोट के दौरान ही उनके पिता का निधन हो गया।

ब्यूटी ने हाकी इंडिया के हवाले से कहा, चोट के समय ही मेरे पिता का देहांत हो गया। मैं घर और शिविर के बीच लगातार आ–जा रही थी। एक साथ बहुत कुछ हो रहा था। कई बार लगा कि शायद अब वापसी नहीं हो पाएगी।

झारखंड के एक छोटे से गांव में पली–बढ़ीं ब्यूटी के लिए उनके पिता ही सबसे बड़े प्रेरणास्रोत थे। आर्थिक तंगी के बीच जब वह केवल पांच वर्ष की थीं, तब उनके पिता ने बांस से उनकी पहली हाकी स्टिक बनाई थी, क्योंकि असली स्टिक खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। बाद में उन्होंने बेटी के सपनों को पूरा करने के लिए दूसरे राज्यों में दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम भी किया। वह भावुक होकर कहती हैं, जब पापा थे तो बहुत सहारा था। अब सब कुछ मुझे खुद संभालना है।

आज ब्यूटी अपने परिवार की मुख्य आधार हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की एक कंपनी में नौकरी के माध्यम से वह पूरे परिवार का खर्च उठाती हैं। अपने भाई के परिवार की मदद करने के साथ-साथ भतीजी और भतीजों की पढ़ाई का खर्च भी वहन करती हैं। उनकी मां आंशिक रूप से लकवाग्रस्त हैं और स्मृति कमजोर हो चुकी है, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है।

ब्यूटी कहती हैं, कभी–कभी तनाव हो जाता है। मां चीजें भूल जाती हैं और बार–बार पूछती हैं कि मैं घर कब आऊंगी। जब मैं बाहर रहती हूं तो मन उन्हीं के पास रहता है।

अंतरराष्ट्रीय हाकी के दबाव और घर की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं है, लेकिन ब्यूटी हार मानने को तैयार नहीं हैं। उनका कहना है, अगर ज्यादा सोचूंगी तो खुद ही परेशान हो जाऊंगी। इसलिए पूरा ध्यान खेल पर लगाती हूं। अच्छा लगता है कि मैं अपने परिवार की आर्थिक मदद कर पा रही हूं।

जब भावनात्मक बोझ बढ़ जाता है, तो वह अपनी टीम के साथियों का सहारा लेती हैं।

उन्होंने कहा, अगर मैच से पहले मन ठीक नहीं होता तो मैं साथियों से खुलकर कहती हूं कि आज मेरा मन भारी है, मुझे प्रेरित करें। टीम हमेशा मेरा साथ देती है,

लंबे संघर्ष के बाद ब्यूटी ने फिर से लय हासिल करनी शुरू कर दी है। वह एशियाई चैंपियंस ट्राफी और हाल ही में आयोजित हाकी इंडिया लीग में भी खेल चुकी हैं। अब वह हैदराबाद, तेलंगाना में होने वाले वर्ष 2026 के एफआईएच महिला हाकी विश्व कप क्वालीफायर की तैयारियों के लिए राष्ट्रीय शिविर में कड़ी मेहनत कर रही हैं। अपनी तेज दौड़ और गेंद प्राप्त करने की क्षमता के लिए पहचानी जाने वाली ब्यूटी स्ट्राइकिंग सर्कल में आत्मविश्वास दोबारा हासिल करने की कोशिश कर रही हैं।

ब्यूटी डुंगडुंग अब केवल खेल के लिए नहीं खेलतीं। हर बार जब वह हाकी स्टिक थामती हैं, तो उसमें उनकी मां की देखभाल, परिवार का भविष्य और उस पिता की याद जुड़ी होती है, जिन्होंने बांस से उनकी पहली स्टिक बनाकर उनके सपनों को आकार दिया था।

विश्वकप में खराब प्रदर्शन से निशाने पर आये बटलर, हैरी ने किया बचाव

कोलंबो

इंग्लैंड की टीम जीत के साथ ही सबसे पहले आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है पर अनुभवी विकेटकीपर–बल्लेबाज जोस बटलर के खराब फार्म से उसकी चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। बटलर इस टूर्नामेंट में अभी तक लंबी पारी नहीं खेल पाये हैं। वह अब तक केवल 62 रन ही बना पाए हैं। ऐसे में वह आलोचकों के निशाने पर हैं हालांकि कप्तान हैरी ब्रूक ने बटलर का बचाव करते हुए कहा है कि वह सही समय पर लय हासिल करेंगे। हैरी ने पाकिस्तान के खिलाफ सुपर–8 मैच में शानदार शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी।वहीं जब ब्रूक से पूछा गया कि क्या उन्हें बटलर के फार्म को लेकर चिंता है, तो ब्रूक ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। मैंने पहले भी कहा है बटलर एक शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं।

उन्होंने हर स्तर पर अपने को साबित किया है। उन्होंने एकदिवसीय और टी20 में विश्व कप जीते हैं और यह सिर्फ समय की बात है , एक अच्छी पारी के साथ ही वह लय हासिल कर लेंगे। लीग स्तर के मैचों में बटलर ने नेपाल के खिलाफ 26 रन, वेस्ट इंडीज के खिलाफ 21 रन, स्काटलैंड के खिलाफ तीन रन और इटली के खिलाफ केवल तीन रन बनाए। सुपर–8 में श्रीलंका के खिलाफ वह केवली सात रन बनाए और पाक के खिलाफ केवल दो रन ही बना पाये। इसी के बाद से ही वह आलोचना का शिकार होने लगे।

इसी को देखते हुए ब्रूक ने प्रशंसकों से अपील की है कि उन्हें हालात के अनुसार ढलने के लिए कुछ समय दें। साथ कहा किविश्व क्रिकेट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने 500 से अधिक टी20 मैच खेले हैं, इंग्लैंड के लिए 150 से अधिक मैच खेले हैं, और उनका औसत अभी भी 35 है और स्ट्राइक रेट 145 है। इसलिए वह हमारे बेशकीमती हैं। ये सही है कि अभी वह अपने नाम के अनुरुप नहीं खेल पा रहे पर हर खिलाड़ी का ऐसा दौर आत है। गौरतलब है कि बटलर ने इंग्लैंड के लिए 153 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 34 के औसत और 147 के स्ट्राइक रेट से 4012 रन बनाए हैं। हाल ही में, वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक मैच खेलने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ी बने थे।

भारतीय अंडर-20 महिला टीम ने स्वीडिश क्लब एन्स्केडे आईके डैम से खेला ड्रा

नई दिल्ली। भारतीय अंडर–20 महिला फुटबाल टीम ने बुधवार, रात स्वीडन के लिडिंगो स्थित बोसोन नेशनल स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए अभ्यास मैच में स्वीडिश क्लब एन्स्केडे आईके डैम के साथ 1–1 से ड्रा खेला। भारत की ओर से सिबानी देवी नोंगमेइकापाम ने 44वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि मुकाबले के अंतिम क्षणों में 88वें मिनट पर एन्स्केडे ने बराबरी का गोल दागकर स्कोर 1–1 कर दिया। भारत अंडर–20 टीम के मुख्य कोच योआकिम अलेक्जेंडरसन ने पिछले मैच की तुलना में शुरुआती एकादश में आठ बदलाव किए। भारतीय टीम ने अपने पिछले मुकाबले में टैबी एफके को 4–0 से हराया था, जबकि उससे पहले हामरबी आईएफ के खिलाफ उसे 0–6 से हार का सामना करना पड़ा था। यंग टाइग्रेस अब 28 फरवरी को स्वीडन के क्लब कार्लबर्ग्स बीके के खिलाफ एक और अभ्यास मैच खेलेगी। यह दौरा इस वर्ष थाईलैंड में होने वाले एएफसी अंडर–20 महिला एशियाई कप की तैयारियों का हिस्सा है। भारत अंडर–20 महिला टीम: मोनालिशा देवी मोइरांगथेम (गोलकीपर), निशिमा कुमारी (रेमी थोखचोम 60वें मिनट), थोइनबिसाना चानू तोइजाम, सिंडी रेमरुआतपुई कोलनी, शुभांगी सिंह, पूजा, अंजू चानू कायेन्पैबाम (भूमिका देवी खुमुकचाम 60वें मिनट), लिगदेकिम, सुलंजना राउल, सिबानी देवी नोंगमेइकापाम (नेहा 60वें मिनट), बबीता कुमारी (दीपिका पाल 46वें मिनट, शिल्जी शाजी 88वें मिनट)।

भारत बधिर क्रिकेट टीम ने जीता पहला एडीसीए टी20आई एशिया कप, फाइनल में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली

कटक के ऐतिहासिक बाराबती स्टेडियम में खेले गए पहले एडीसीए टी20आई एशिया कप 2026 का समापन बुधवार को हुआ , जहां भारतीय बधिर क्रिकेट टीम ने फाइनल में श्रीलंका की टीम को 6 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया।

यह टूर्नामेंट भारतीय बधिर क्रिकेट एसोसिएशन (आईडीसीए) द्वारा आयोजित किया गया था, जिसे ओडिशा की राज्य क्रिकेट इकाइयों का सहयोग मिला। यह एशिया कप का पहला संस्करण था और इसे बधिर क्रिकेट के इतिहास में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

फाइनल के बाद आयोजित भव्य समापन समारोह में मुख्य अतिथि कटक के जिलाधिकारी एवं कलेक्टर दत्तात्रय भाऊसाहेब शिंदे और विशेष अतिथि पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर संजय राउल ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्राफी प्रदान की।

भारत ने अपने अभियान की शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ 4 विकेट की जीत से की। इसके बाद नेपाल पर 10 विकेट की एकतरफा जीत दर्ज की। लीग चरण में श्रीलंका ने भी नेपाल को 6 विकेट से हराया, जबकि रिवर्स मुकाबले में नेपाल पर 157 रन की बड़ी जीत दर्ज की। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में 1 रन से जीत हासिल की और नेपाल पर 9 विकेट से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह पक्की की। फाइनल में भारत ने संयमित और आत्मविश्वास भरा प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 6 विकेट से हराकर ऐतिहासिक ट्राफी जीत ली। इस जीत के साथ भारत ने न केवल पहला एडीसीए टी20आई एशिया कप खिताब अपने नाम किया, बल्कि एशियाई बधिर क्रिकेट में अपनी मजबूत स्थिति भी साबित की।

विश्व कप से बाहर होने के बाद श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका ने दीर्घकालिक बदलाव की मांग की

कोलंबो

श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने विश्व कप से बाहर होने के बाद टीम में व्यापक और दीर्घकालिक सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया है। अंतिम चार में पहुंचने की उम्मीदें तब समाप्त हो गईं जब श्रीलंका को न्यूजीलैंड ने 61 रन से पराजित किया। शनाका ने कहा कि यदि टीम को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार मजबूत प्रदर्शन करना है तो शारीरिक तैयारी और लंबी अवधि की योजना पर गंभीरता से काम करना होगा।

उन्होंने कहा, देश के लिए खेलते समय शारीरिक फिटनेस पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इस पर कोई समझौता नहीं हो सकता। चोटों के कारण हमें मनचाहा परिणाम नहीं मिल पा रहा है। सभी जानते हैं कि वानिंदु हसरंगा कितने महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, और मथीशा पथिराना तथा ईशान मलिंगा टीम के लिए कितने अहम हैं। जब ये खिलाड़ी उपलब्ध नहीं होते तो टीम पर असर पड़ता है। यह बहाना नहीं है, लेकिन अधिकतर चोटें शारीरिक तैयारी से जुड़ी हैं।

शनाका ने कहा कि पिछले कई विश्व कप में भी चोटें प्रमुख चर्चा का विषय रही हैं।

उन्होंने कहा, मैंने पिछले पांच विश्व कप खेले हैं। लगभग हर बार यही सवाल उठा कि चोटों से बेहतर तरीके से कैसे निपटा जाए। कप्तान ने माना कि समस्या केवल फिटनेस तक सीमित नहीं है, बल्कि योजना और दिशा की स्पष्टता भी जरूरी है। उन्होंने कहा, यदि हम विश्व कप की तैयारी करते हैं तो वह लंबी अवधि की होनी चाहिए। इतने बड़े

टूर्नामेंट को छोटे लक्ष्य के साथ नहीं खेला जा सकता। अपनी कप्तानी को लेकर उन्होंने कहा कि यह निर्णय चयनकर्ताओं और श्रीलंका क्रिकेट के हाथ में है। उन्होंने कहा, मैं खुश हूं कि मुझे इतने समय तक टीम की अगुवाई का अवसर मिला। मैंने अच्छे फैसले भी लिए और गलतियां भी कीं, लेकिन विश्व कप में कप्तानी करना मेरे लिए गर्व की बात है। शनाका ने कहा कि टीम का चयन बेहतर बल्लेबाजी वाली पिचों की उम्मीद में किया गया था, विशेषकर आर. प्रेमदासा स्टेडियम को ध्यान में रखते हुए।

उन्होंने कहा, टूर्नामेंट से पहले मुझे उम्मीद थी कि विकेट बल्लेबाजी के अनुकूल होंगे। हमने घरेलू क्रिकेट से अच्छे प्रहार दर वाले खिलाड़ियों को चुना, लेकिन परिस्थितियां उम्मीद के अनुसार नहीं रहीं। उन्होंने स्वीकार किया कि श्रीलंका में लंबे प्रहार करने की कमी है, लेकिन यहां की पिचों पर हालात के अनुसार खेलना अधिक जरूरी है। उन्होंने कहा, जैसी पिच पर लंबे प्रहार से अधिक उल्टा स्वीप और सामान्य स्वीप कारगर होते हैं। कामिंदु मेंडिस ने कठिन समय में इन शाट्स का अच्छा उपयोग किया। दुनिथ वेलालगे ने भी ऐसा ही किया। हमें अपनी परिस्थितियों के अनुसार टीम संयोजन करना होगा। सह–मेजबान होने के बावजूद दूसरे चरण में एक मुकाबला शेष रहते बाहर होना टीम के लिए निराशाजनक रहा। शनाका ने दर्शकों से माफी मांगते हुए कहा, हम बहुत दुखी हैं। इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला हम जीत सकते थे, अगर थोड़ा समझदारी से खेलते। दर्शकों को खुशी देने के लिए हम उन्हें जीत नहीं दे पाए, इसके लिए हमें खेद है। उन्होंने बाहरी आलोचना और नकारात्मक वातावरण को भी खिलाड़ियों के लिए चुनौती बताया। उन्होंने कहा, हर कोई चाहता था कि हम अंतिम चार में पहुंचे। आलोचना उचित है, लेकिन लगातार नकारात्मक माहौल खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालता है। बाहर की बातें नियंत्रित करना कठिन होता है। शनाका ने कहा कि टीम को अब शेष मुकाबला सकारात्मक सोच के साथ खेलकर प्रतियोगिता का समापन करना चाहिए, ताकि भविष्य के लिए आत्मविश्वास और गति मिल सके।

অসম চৰকাৰ
ৰাজহ আৰু দুৰ্যোগ ব্যৱস্থাপনা বিভাগ

মিছন বসুন্ধৰা ৩.০ৰ

অধীনত ৰাজ্যজুৰি আৰু সমষ্টিভিত্তিক খিলঞ্জীয়া ভূমিহীন পৰিয়াল আৰু প্ৰতিষ্ঠানসমূহৰ সুৰক্ষিত ভূমি অধিকাৰ সুনিশ্চিত কৰাৰ দিশে ডিজিটেল পট্টা, আবণ্টন/বন্দৱস্তিৰ পত্ৰ আৰু আবণ্টন/বন্দৱস্তিৰ প্ৰস্তাৱ গ্ৰহণৰ

পত্ৰ বিতৰণ অনুষ্ঠান

মুখ্য অতিথি

ড° হিমন্ত বিশ্ব শৰ্মা
মুখ্যমন্ত্ৰী, অসম

২৭ ফেব্ৰুৱাৰী ২০২৬

কাৰ বাবে এই সুবিধা ?

খিলঞ্জীয়া ভূমিহীন পৰিয়াল

ধৰ্মীয় আৰু সামাজিক-সাংস্কৃতিক প্ৰতিষ্ঠান, শিক্ষা প্ৰতিষ্ঠান, চৰকাৰী বিভাগ আৰু ৰাজ্যিক উদ্যোগ

SVAMITVAৰ অধীনত ড্ৰোণ আৰু ডিজিটেল প্ৰযুক্তিৰ জৰিয়তে জৰীপ সম্পন্ন হোৱা গাঁও

স্বচ্ছ প্ৰক্ৰিয়াৰে QR ক'ডযুক্ত স্থায়ী ডিজিটেল নথি প্ৰদানৰ সুবিধা

বিধান সভা সমষ্টিভিত্তিক ভূমি পট্টা বিতৰণ অনুষ্ঠানৰ সূচী

বিধান সভা সমষ্টি	মুখ্য অতিথি
ঢকুৱাখনা (অনুসূচিত জনজাতি)	শ্ৰীনৱ কুমাৰ দলে, বিধায়ক
মাজুলী (অনুসূচিত জনজাতি)	শ্ৰীভুবন গাম, বিধায়ক
গোৱালপাৰা পশ্চিম (অনুসূচিত জনজাতি)	শ্ৰীজ্যোতিষ দাস, প্ৰাক্তন বিধায়ক আৰু শ্ৰীদীপাংকৰ নাথ, সমাজকৰ্মী
টিংখং	শ্ৰীবিমল বড়া, মন্ত্ৰী
বৰছলা	শ্ৰীগণেশ কুমাৰ লিম্বু, বিধায়ক
দুধনৈ (অনুসূচিত জনজাতি)	শ্ৰীটংকেশ্বৰ ৰাভা, মুখ্য কাৰ্যবাহী সদস্য, ৰাভা হাচং স্বায়ত্তশাসিত পৰিষদ
ঢেকিয়াজুলি	শ্ৰীঅশোক সিংহল, মন্ত্ৰী
নাহৰকটীয়া	শ্ৰীতৰংগ গগৈ, বিধায়ক
বকো-ছয়গাঁও (অনুসূচিত জনজাতি)	শ্ৰীঅঞ্জন গোস্বামী, সমাজকৰ্মী
গহপুৰ	শ্ৰীউৎপল বৰা, বিধায়ক
বিহালী (অনুসূচিত জাতি)	শ্ৰীদিগন্ত ঘাটোৱাল, বিধায়ক
দুলীয়াজান	শ্ৰীতেৰছ গোৱালা, বিধায়ক
নাওবৈচা (অনুসূচিত জাতি)	শ্ৰীশ্যামল শৰ্মা, সমাজকৰ্মী আৰু ড° ৰমাকান্ত দাস, সমাজকৰ্মী
বৰপেটা (অনুসূচিত জাতি)	শ্ৰীগুনিন দাস, প্ৰাক্তন বিধায়ক শ্ৰীমহেন্দ্ৰ দাস, সমাজকৰ্মী
লখিমপুৰ	শ্ৰীমানৱ ডেকা, বিধায়ক
খোৱাং	শ্ৰীচক্ৰধৰ গগৈ, বিধায়ক
ৰঙানদী	শ্ৰীঋষিৰাজ হাজৰিকা, সমাজকৰ্মী
অভয়াপুৰী	শ্ৰীভূপেন ৰায়, প্ৰাক্তন বিধায়ক আৰু শ্ৰীউজ্জ্বল কান্তি ৰায়, সমাজকৰ্মী
গোলকগঞ্জ	শ্ৰীঅশ্বিনী ৰায় সৰকাৰ, প্ৰাক্তন বিধায়ক
তিতাবৰ	শ্ৰীধীৰাজ গোৱালা, সমাজকৰ্মী
ডিমৰীয়া (অনুসূচিত জাতি)	শ্ৰীমতী বিজুলী কলিতা মেধি, সাংসদ আৰু ড° তপন কুমাৰ দাস, উপাধ্যক্ষ, অসম ৰাজ্যিক পণ্যাগাৰ নিগম

বিধান সভা সমষ্টি	মুখ্য অতিথি
ভবানীপুৰ-সৰভোগ	শ্ৰীফণীধৰ তালুকদাৰ, বিধায়ক
সৰুপথাৰ	শ্ৰীবিশ্বজিৎ ফুকন, বিধায়ক
বিশ্বনাথ	শ্ৰীপ্ৰমোদ বৰঠাকুৰ, বিধায়ক
খুমটাই	শ্ৰীমৃণাল শইকীয়া, বিধায়ক
জাগীৰোড (অনুসূচিত জাতি)	শ্ৰীপীযুষ হাজৰীকা, মন্ত্ৰী
বিহপুৰীয়া	ড° অমিয় কুমাৰ ভূঞা, বিধায়ক
হোজাই	শ্ৰীৰামকৃষ্ণ ঘোষ, বিধায়ক
সোণাৰি	শ্ৰীধৰ্মেশ্বৰ কোঁৱৰ, বিধায়ক
মাৰ্ঘেৰিটা	শ্ৰীভাস্কৰ শৰ্মা, বিধায়ক
মাহমৰা	শ্ৰীযোগেন মহন, মন্ত্ৰী
ন-দুৱাৰ	শ্ৰীপদ্ম হাজৰিকা, বিধায়ক
বোকাখাত	শ্ৰীঅতুল বৰা, মন্ত্ৰী
নাজিৰা	শ্ৰীময়ূৰ বৰগোহাঁই, সমাজকৰ্মী
ডুমডুমা	শ্ৰীৰূপেশ গোৱালা, মন্ত্ৰী
বঙাইগাঁও	শ্ৰীমতী দীপ্তিময়ী চৌধুৰী, বিধায়ক
তেজপুৰ	শ্ৰীপৃথ্বিৰাজ ৰাভা, বিধায়ক
মাকুম	শ্ৰীপুলক গোহাঁই, সমাজকৰ্মী
ছিপাঝাৰ	ড° পৰমানন্দ ৰাজবংশী, বিধায়ক
চমৰীয়া	ৰেকিবুদ্দিন আহমেদ, বিধায়ক
লামডিং	শ্ৰীশিবু মিশ্ৰ, বিধায়ক
টীয়ক	শ্ৰীমতী ৰেণুপমা ৰাজখোৱা, বিধায়ক; শ্ৰীবিকাশ শইকীয়া, সমাজকৰ্মী
টিহু	শ্ৰীচন্দ্ৰমোহন পাটোৱাৰী, মন্ত্ৰী
জালুকবাৰী	শ্ৰীমৃগেন শৰণীয়া, মেয়ৰ, জি এম চি
বজালী	শ্ৰীৰণজিৎ কুমাৰ দাস, মন্ত্ৰী
গোৱালপাৰা পূব	শ্ৰীদীপক নাথ, সমাজকৰ্মী আৰু আব্দুল ৰহিম জিব্ৰাণ, সমাজকৰ্মী
বিলাসীপাৰা	শ্ৰীজীৱেশ ৰায়, মুখ্য কাৰ্যবাহী সদস্য, কমতাপুৰ স্বায়ত্তশাসিত পৰিষদ আৰু শ্ৰীঅশোক সিংঘী, সমাজকৰ্মী
মৰিয়নি	শ্ৰীৰূপজ্যোতি কুৰ্মী, বিধায়ক

বিধান সভা সমষ্টি	মুখ্য অতিথি
মৰিগাঁও	শ্ৰীৰমাকান্ত দেউৰী, বিধায়ক
ধুবুৰী	শ্ৰীৰঞ্জিত কুমাৰ ৰয়, সমাজকৰ্মী আৰু শ্ৰীবিশ্বজিৎ কলিতা, সমাজকৰ্মী
পলাশবাৰী	শ্ৰীহেমাংগ ঠাকুৰীয়া, বিধায়ক
শিৱসাগৰ	শ্ৰীঅখিল গগৈ, বিধায়ক, শ্ৰীপ্ৰদীপ হাজৰিকা, বিধায়ক আৰু শ্ৰীকুশল দুৱৰী, প্ৰাক্তন বিধায়ক
ডিগবৈ	শ্ৰীসুৰেন ফুকন, বিধায়ক
ৰঙাপৰা	শ্ৰীকৃষ্ণকমল তাঁতী, বিধায়ক
যোৰহাট	শ্ৰীহিতেন্দ্ৰ নাথ গোস্বামী, বিধায়ক
সৃজনগ্ৰাম	শ্ৰীফণীভূষণ চৌধুৰী, সাংসদ
গৌৰীপুৰ	শ্ৰীদেৱময় সান্যাল, সমাজকৰ্মী
চাবুৱা-লাহোৱাল	শ্ৰীবিনোদ হাজৰিকা, বিধায়ক আৰু শ্ৰীপোনাকণ বৰুৱা, বিধায়ক
মঙলদৈ	শ্ৰীবসন্ত দাস, বিধায়ক; শ্ৰীগুৰুজ্যোতি দাস, প্ৰাক্তন বিধায়ক
ডিমৌ	শ্ৰীসুশান্ত বৰগোহাঁই, বিধায়ক
কমলপুৰ	শ্ৰীদিগন্ত কলিতা, বিধায়ক
দিছপুৰ	শ্ৰীঅতুল বৰা, বিধায়ক
ৰঙিয়া	শ্ৰীভৱেশ কলিতা, বিধায়ক
ডিব্ৰুগড়	শ্ৰীপ্ৰশান্ত ফুকন, মন্ত্ৰী
দলগাঁও	শ্ৰীমুকুন্দ ডেকা, সমাজকৰ্মী
নলবাৰী	শ্ৰীজয়ন্ত মল্লবৰুৱা, মন্ত্ৰী
ৰামকৃষ্ণ নগৰ (অনুসূচিত জাতি)	শ্ৰীবিজয় মালাকাৰ, বিধায়ক
তিনিচুকীয়া	শ্ৰীসঞ্জয় কিশান, বিধায়ক
বৰক্ষেত্ৰী	শ্ৰীনাৰায়ণ ডেকা, অধ্যক্ষ, জি এম ডি এ
দেৰগাঁও	শ্ৰীভৱেন্দ্ৰ নাথ ভৰালী, বিধায়ক
পকাবেতবাৰী	ড° তাৰাপ্ৰসাদ দাস, প্ৰাক্তন বিধায়ক আৰু শ্ৰীৰাজেশ সৰকাৰ, অধ্যক্ষ, বৰপেটা ৰোড এম.বি.

বিধান সভা সমষ্টি	মুখ্য অতিথি
গোলাঘাট	শ্ৰীমতী অজন্তা নেওগ, মন্ত্ৰী
শ্ৰীভূমি উত্তৰ	শ্ৰীসুব্ৰত ভট্টাচাৰ্য, সমাজকৰ্মী
গুৱাহাটী (চেন্ট্ৰেল)	শ্ৰীৰমেন্দ্ৰ নাৰায়ণ কলিতা, বিধায়ক
কলিয়াবৰ	শ্ৰীমণি মাধৱ মহন্ত, অধ্যক্ষ, অসম বৃক্ষৰোপণ শস্য বিকাশ নিগম
বিন্নাকান্দি	শ্ৰীহাবিব মহম্মদ চৌধুৰী, সমাজকৰ্মী আৰু মহম্মদ আলী, সমাজকৰ্মী
শ্ৰীভূমি দক্ষিণ	ছিদ্দিক আহমেদ, বিধায়ক
জলেশ্বৰ	ড° প্ৰকাশ কাশ্যপ, সঞ্চালক, এ পি ডি চি এল
ৰহা (অনুসূচিত জাতি)	শ্ৰীশশীকান্ত দাস, বিধায়ক
বড়মপুৰ	শ্ৰীজিতু গোস্বামী, বিধায়ক
হাজো-শুৱালকুছি (অনুসূচিত জাতি)	শ্ৰীমতী সুমন হৰিপ্ৰিয়া, বিধায়ক
লাহৰিঘাট	খলিলুৰ ৰহমান, সমাজকৰ্মী
বীৰসিং জাৰুৱা	শ্ৰীদীপক কুমাৰ সাহা, সমাজকৰ্মী
মানকাচৰ	জাবেদ ইছলাম, প্ৰাক্তন বিধায়ক
পাথাৰকান্দি	শ্ৰীকৃষ্ণেন্দু পাল, মন্ত্ৰী
মন্দিয়া	শ্ৰীঅনিল দাস, সমাজকৰ্মী
নিউ গুৱাহাটী	শ্ৰীসিদ্ধাৰ্থ ভট্টাচাৰ্য, বিধায়ক
হাইলাকান্দি	শ্ৰীমুন স্বৰ্ণকাৰ, সমাজকৰ্মী
চেঙা	শ্ৰীজিতু তালুকদাৰ, সমাজকৰ্মী আৰু শ্ৰীধনজিৎ পাঠক, সমাজকৰ্মী
ধিং	শ্ৰীপ্ৰণৱজ্যোতি লহকৰ, উপাধ্যক্ষ, এ এছ টি চি আৰু শ্ৰীযতীন নাথ, সমাজকৰ্মী
নগাঁও-বটদ্ৰৱা	শ্ৰীৰূপক শৰ্মা, বিধায়ক
আলগাপুৰ-কাটলিচেৰা	শ্ৰীকল্যাণ গোস্বামী, সমাজকৰ্মী
ৰূপহীহাট	শ্ৰীৰঞ্জিত বৰদলৈ, সমাজকৰ্মী আৰু জাকিৰ হুছেইন চাৰাজী, সমাজকৰ্মী

তথ্য আৰু জনসংযোগ সঞ্চালকালয়, অসমৰ দ্বাৰা প্ৰচাৰিত

Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in

অসম বাৰ্তা ছাবস্ক্ৰাইব কৰিবলৈ ৭৬৩৬৮৩৪৯৪৩ ত Assam লিখি ৱাটছএপ কৰক

-- DIPR /D/VBS-214/27-Feb-26